mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-280 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
09 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

महाराष्ट्र में पेट्रोल पंप सील करने पहुंचे अधिकारी की हत्या

हमलावरों ने चाकू से 7 वार किए; पेट्रोलियम मंत्री बोले- दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो

हिंगोली,एजेंसी। महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में मंगलवार को पेट्रोल पंप सील करने पहुंचे इंडियन ऑयल अधिकारी महेश शेलके की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। विवाद के बाद उन पर 7 बार चाकू से हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक, महेश इंडियनऑयल की टीम के साथ अंबाचोंडी गांव के पेट्रोल पंप को सील करने पहुंचे थे। इसी दौरान पंप मालिक के परिवार और वहां मौजूद लोगों से उनका विवाद हो गया। महेश इंडियनऑयल में मैनेजर और फील्ड ऑफिसर थे। यह पेट्रोल पंप कुछ दिन पहले ही दोबारा शुरू हुआ था।

इंडिगो फ्लाइट पर बिजली गिरी, लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ,एजेंसी। पटना से लखनऊ आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट बुधवार शाम खराब मौसम के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। इससे प्लेन का अगला हिस्सा यानी नोज क्षतिग्रस्त हुआ है।

जिस वक्त प्लेन बिजली की चपेट में आया, उस समय वह करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर था।

हालांकि, पायलट ने सूझ-बूझ से विमान की लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। विमान में 150 यात्री सवार थे, सभी सुरक्षित हैं।

पटना से अहमदाबाद जाना था, लखनऊ में ही रोका गया प्लेन

इंडिगो विमान ने पटना एयरपोर्ट से बुधवार दोपहर 3:10 बजे उड़ान भरी। इसी विमान को शाम 5:05 बजे लखनऊ से अहमदाबाद जाना था।

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, 17 हजार फीट की ऊंचाई पर बिजली की चपेट में आने के बाद विमान शाम 4:05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा।

वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा खत्म हुई

भूपेंद्र पटेल और शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए; पीएम के जनसेवा में 25 साल होने पर शुरू हुई थी

वाराणसी ,एजेंसी। पीएम मोदी के जनसेवा और सुशासन के 25 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को वडनगर में 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का समापन समारोह आयोजित किया गया।'सेवा संकल्प अभियान' के तहत निकली इस यात्रा के समापन पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और बाइकर्स का सम्मान किया।

भूपेंद्र पटेल ने कहा- सत्ता को सेवा का साधन माना

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा- 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। उन्होंने सत्ता को पद नहीं बल्कि सेवा का साधन माना। मोदी सरकार की नीतियों से देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और भारत दुनिया की टॉप-5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिना एक भी दिन रुके लगातार 25 वर्षों तक गरीबों और देश के लिए काम करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

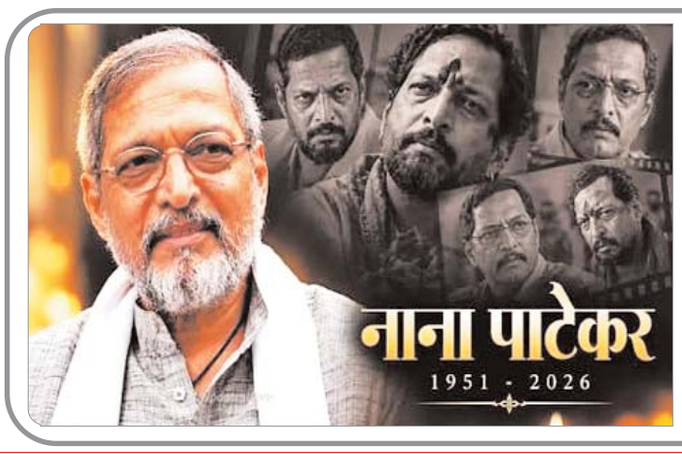

नहीं रहे दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर 75 की उम्र में निधन

मुंबई,एजेंसी। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक CPR दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में हुआ ।मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है।

परिंदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्ड

नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला।1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया।

मोबाइल कांग्रेस में मोदी बोले: बैंक, अस्पताल अब फोन में इससे 5 लाख करोड़ गलत हाथों में जाने से बचे

- **पहले इवेंट में भारत था, अब 100 देश**

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से बिचौलियों और फर्जीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बच गए।इंडिया मोबाइल कांग्रेस का ढ्ढ और 6त्न पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस्ड था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।

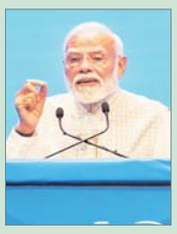

अब सिर्फ बातचीत का साधन नहीं रहा मोबाइल :पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट करने का जरिया नहीं रह गया है, बल्कि यह आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। भाषा या दूरी की रुकावटें खत्म हो गई हैं। अब लोगों को दफ्तरों के चक्कर काटने और लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बच रहा है।

पीएम ने नाना पाटेकर को याद किया, कहा- वो बंधनों में नहीं रहे:पीएम मोदी ने कहा, 'आज सुबह ही एक खबर आई है कि मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर अब हमारे बीच नहीं रहे। वे एक बेहतरीन कलाकार थे, जिन्होंने अलग-अलग किरदारों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीता। नाना का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा। वो बंधनों में नहीं रहे, परिंदे की तरह फिल्मों के आसमान में उड़े।'

उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार किया। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी।

- **मोदी बोले- सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में रफ्तार पकड़ रहा भारत :**पीएम मोदी ने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम भी रफ्तार पकड़ रहा है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के अगले फेज में हमारा फोकस सप्लाई चेन पर है। हम इसमें बड़े कदम उठा रहे हैं। बीते साल में हमने काफी कुछ हासिल किया है, लेकिन अब नए पड़ाव पार करने हैं।
- **मोदी बोले- देश सेवा करते हुए 25 साल पूरे हुए, सबका आभार :**कल देश सेवा करते हुए 25 साल पूरे हुए। मैं सबका आभार व्यक्त करता हूं। ये संयोग है कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 10 साल पूरे हुए हैं।

बेंगलुरु में सीजेपी का प्रदर्शन

ध्रुव राठी, प्रकाश राज हुए शामिल:दीपके ने वोट चोर के नारे लगवाए; कहा- वन नेशन, वन पार्टी भाजपा का मकसद

बेंगलुरु,एजेंसी। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन हुआ। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और एक्टर प्रकाश राज स्ढ्ढक्र रद्द करने और CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।दीपके ने प्रदर्शनकारियों से 'नरेंद्र मोदी वोट चोर' और 'SIR रद्द करो' के नारे लगवाकर अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने कहा- पीएम मोदी ने वोट चोरी करके चुनाव जीता। जिंदा लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। यह लोकतंत्र की हत्या है। भाजपा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का नारा देती है, जबकि उनका मकसद 'वन नेशन, वन पार्टी' बनाने का है।दीपके ने इसकी तुलना हिटलर से की। उन्होंने कहा- 2024 में भाजपा और कांग्रेस के बीच वोट शेयर का अंतर सिर्फ 2% था।

42 पूर्व जजों ने लेटर लिखकर एसआईआर को सही बताया

चुनाव आयोग पर आरोपों के बीच 'वोट चोरी' के दावों पर सबूत मांगे

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग और SIR को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने CEC ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने SIR प्रक्रिया को भी सही बताया है।लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं।

लखनऊ के मॉल में पानी घुसा, फर्रुखाबाद में ओले

यूपी के 42 जिलों में बारिश का अलर्ट; छीसगढ़ के बिलासपुर में बिजली गिरने से 3 मौतें

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ और झारखंड के आसपास बने ऊपरी हवा के साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण कई क्षेत्रों में बनी ट्रफ के कारण मौसम एक बार फिर बदल गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ के चलते ही छत्तीसगढ़ के 29 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। यहां 60kmph की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। बिजली गिरने से बिलासपुर में 3 लोगों की मौत हो गई।

यूपी में बाढ़ के बीच फिर से मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर और सुल्तानपुर समेत 5 शहरों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। फर्रुखाबाद में ओले गिरे हैं। इधर, गोमती नदी का पानी 10वें दिन भी बढ़ रहा है। प्लासियो मॉल के चारों ओर पानी भर गया है। राज्य में आज 42 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

उत्तराखंड के चमोली में भारी बर्फबारी से हेमकुंड साहिब धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है।

राजस्थान समेत उत्तर के 8 राज्यों में 12 अक्टूबर के बाद से रात में ठंडक बढ़ने लगेगी।

बेटी का नाम बदलने हाईकोर्ट पहुंचा परिवार 'लक्ष्मी' की जगह 'वीणा' रखने की मांग

बोले- ज्योतिष के हिसाब से ज्यादा शुभ, कर्नाटक हाईकोर्ट ने दी मंजूरी

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक में एक 16 साल की लड़की का नाम बदलने के लिए उसके माता-पिता हाईकोर्ट पहुंचे। परिवार ने बेटी का नाम 'लक्ष्मी' से बदलकर 'वीणा' करने की मांग की। उनका कहना था कि ज्योतिष और अंकशास्त्र के हिसाब से 'वीणा' नाम बच्ची के लिए ज्यादा शुभ रहेगा।

सिविल कोर्ट ने परिवार की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद बच्ची के पिता ने हाईकोर्ट में अपील की। जस्टिस हंचाटे संजीवकुमार ने गुरुवार को निचली अदालत का फैसला रद्द करते हुए बच्ची का नाम बदलने की मंजूरी दे दी।

फैसले में जस्टिस हंचाटे संजीवकुमार ने कहा कि समाज में हर व्यक्ति की पहचान उसके नाम से होती है। इसलिए नाम से पहचाने जाने का अधिकार नागरिक अधिकार है। कोर्ट के मुताबिक, नाम में सुधार या बदलाव के लिए सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया जा सकता है।

2010 में हुआ था जन्म, नामकरण में रखा था 'लक्ष्मी':कोर्ट के मुताबिक, बच्ची का जन्म 10 अक्टूबर 2010 को हुआ था। नामकरण समारोह के दौरान उसका नाम 'लक्ष्मी एन.' रखा गया था। बाद में माता-पिता ने नाम बदलने का फैसला किया।

बच्ची के पिता ने सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। इसमें बच्ची को 'वीणा एन.' घोषित करने और स्कूल रिकॉर्ड में नया नाम दर्ज करने की मांग की गई थी।

जोधपुर के आसमान में सूर्यकिरण विमानों ने बनाया तिरंगा

दिल भी उकेरा; मेहरानगढ़ फोर्ट के ऊपर से एक साथ गुजरे 5 ध्रुव हेलिकॉप्टर

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर एयरबेस पर वायुसेना दिवस पर गुरुवार को एयर शो हुआ। इसमें सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक एमके-132 विमानों और सारंग टीम के 5 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ALH) ध्रुव ने आसमान में करतब दिखाए।

करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरते हुए सूर्यकिरण के विमानों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग के धुएं से तिरंगा फॉर्मेशन बनाई। विमानों ने आसमान में डीएनए फॉर्मेशन और हार्ट शेप (दिल की आकृति) भी उकेरी। इन विमानों ने वर्टिकल क्लाइंब, इन्वर्टेड क्रॉसओवर बैरल रोल जैसी कई फॉर्मेशन बनाकर लोगों का ध्यान खींचा।वहीं, सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम के 5 ALH ध्रुव ने एक साथ हवा में थ्रिलिंग मूव्स और क्रॉसओवर दिखाए। इन्होंने मेहरानगढ़ फोर्ट के ऊपर से गुजरते हुए अलग-अलग फॉर्मेशन बनाई।जोधपुर में चल रहे 'तरंग शक्ति' युद्धाभ्यास में शामिल भारत समेत अमेरिका, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, श्रीलंका, बांग्लादेश और जर्मनी की एयरफोर्स के जवान भी एयर शो देखने पहुंचे।

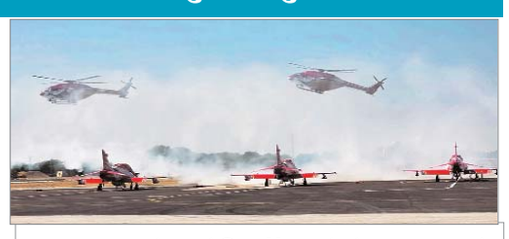

सारंग के 5 हेलिकॉप्टर ने मेहरानगढ़ को क्रॉस कर बनाई फॉर्मेशन

सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम के 5 स्वदेशी ढ्ढ ध्रुव मेहरानगढ़ फोर्ट को क्रॉस कर अलग-अलग फॉर्मेशन बनाते हुए आगे बढ़े। ध्रुव ऑल-वेदर मल्टी-मिशन हेलिकॉप्टर है और अपने अत्यधिक मैन्युवरेबल डिजाइन के कारण एयरोबेटिक प्रदर्शन के लिए भी इस्तेमाल होता है।

दिल्ली बिल्डिंग हादसा, मौत का आंकड़ा 4 हुआ

2-3 लोगों के फंसे होने की आशंका, दावा- भूकंप के बाद इमारत में दरारें आई थीं

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के न्यू सीमापुरी इलाके में ईदगाह मछली मंडी के पास चार मंजिला बिल्डिंग गिरने से मौत का आंकड़ा 4 हो गया है। गुरुवार को रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मलबे से एक और शव बरामद किया गया। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है।

अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में 2-3 लोगों के अभी भी फंसे होने की आशंका है। इससे पहले बुधवार को 3 लोगों की मौत की पुष्टि हुई थी। इनमें करीब 12 साल की एक बच्ची और 21 साल की गर्भवती महिला गुलफ्शा शामिल थीं। तीसरे मृत बच्चे की पहचान नहीं हो सकी थी।हादसे में 8 लोग घायल हुए हैं। सभी को रेस्क्यू कर राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, ताहिरपुर भेजा गया है।

स्थानीय लोगों ने MCD अधिकारियों को बताया कि इलाके में एक दिन पहले आए भूकंप के बाद इमारत में दरारें आ गई थीं। उनका दावा था कि इसके बाद मालिक इमारत खाली कराने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, पुलिस ने इन दावों की पुष्टि नहीं की है।

20-25 साल पुरानी थी बिल्डिंग:MCD के मुताबिक, इमारत दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड (DUSIB) की करीब 25 वर्ग गज जमीन पर बनी थी और 20-25 साल पुरानी थी।अधिकारियों ने इसे ग्राउंड प्लस 3 मंजिल की इमारत बताया, जबकि स्थानीय लोगों के मुताबिक इसमें 5 मंजिल थीं।

आसपास की इमारतें भी हुई क्षतिग्रस्त:बिल्डिंग गिरने से आसपास की दो इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। पास की ईदगाह की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हुई। बिजली का पोल टूटने और तारों के क्षतिग्रस्त होने के बाद इलाके की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई।रेस्क्यू टीमों ने मलबा हटाने के लिए 4 JCB मशीनें, एंबुलेंस और स्निफर डॉग्स की मदद ली। संकरी गलियों और घनी आबादी के कारण बचाव अभियान में परेशानी आई।

फायर कंट्रोल को बुधवार दोपहर करीब 3:15 बजे बिल्डिंग गिरने की कॉल मिली थी।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी: शादी से इनकार या ब्रेकअप का मतलब आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं'

18 नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि आपसी सहमति से बने रिश्ते के बाद अगर कोई प्रेमी शादी करने से इनकार कर देता है, तो इसे अपने आप में आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं माना जा सकता।

इसी टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद कर दिया है।

कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने तेलंगाना के मेडचल-मलकाजगिरी जिले की अदालत में पेंडिंग मामलों को खारिज करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत या सामग्री नहीं मिली, जिससे यह साबित हो सके कि आरोपियों ने महिला को आत्महत्या के लिए मजबूर या उकसाया था।

समझिए क्या था पूरा मामला?

बता दें कि यह पूरा मामला एक महिला की आत्महत्या से जुड़ा है, जो अपने कथित प्रेमी के साथ लगभग तीन महीने तक लिव-इन में रही थी। मृतका के भाई-बहनों का आरोप था कि प्रेमी ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसने यह खौफनाक कदम उठाया।

मृतका की बहन की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोनों का रिश्ता आपसी सहमति से था। आरोप यह भी था कि प्रेमी के एक दोस्त ने महिला के बारे में गलत बातें बोली थीं और उसके परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। इसके अलावा, यह भी कहा गया कि प्रेमी के शादी करने से बहन का रिश्ता तय होने में रुकावट आ रही थी, जिससे रिश्ते पर दबाव बढ़ गया था।

मामले में सुप्रीम कोर्ट ने और क्या-क्या टिप्पणी की?

बता दें कि सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि आत्महत्या करने से ठीक पहले मृतका ने अपनी बड़ी बहन को फोन करके बताया था कि उसके प्रेमी ने शादी से इनकार कर दिया है। लेकिन कोर्ट ने साफ किया कि इससे यह साबित नहीं होता कि आरोपियों ने उसे मरने के लिए उकसाया था।

कोर्ट ने कहा कि यह न तो इरादतन था और न ही इसे आत्महत्या के लिए उकसाना कहा जा सकता है। इसके साथ ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बहुत ही संवेदनशील टिप्पणी करते हुए कहा कि हर इंसान का किसी परिस्थिति पर अलग रिएक्शन होता है। अगर किसी ब्रेकअप के बाद कोई व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है, तो इसे हमेशा 'आत्महत्या के लिए उकसाना' नहीं कहा जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

केरलम सहकारी बैंक घोटाले में बड़ी कार्रवाई समितियों से जुड़े धोखाधड़ी मामलों में ईडी का 20 ठिकानों पर छापेमारी

त्रिशूर , एजेंसी। ईडी ने बुधवार को केरलम के तीन जिलों में सहकारी समितियों से जुड़े धोखाधड़ी और मनी लांड्रिंग के तीन मामलों की जांच के तहत 20 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई त्रिशूर, एर्नाकुलम और कोझिकोड जिलों में की गई। ईडी के केरलम जोनल कार्यालय ने राज्य पुलिस के समन्वय से संदिग्धों और मामलों से जुड़े परिसरों की तलाशी ली। एजेंसी ने अर्बन को-कोपरेटिव सोसाइटी, थेन्नेला सर्विस को-आपरेटिव सोसाइटी और कुट्टनल्लूर को-ऑपरेटिव बैंक से जुड़े मामलों में अलग-अलग मनी लांड्रिंग मामले दर्ज किए हैं। अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पदाधिकारियों पर फर्जी ऋण जारी कर सदस्यों को करीब 55 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। वहीं, थेन्नेला सर्विस को-ऑपरेटिव सोसाइटी पर अधिक ब्याज का लालच देकर फर्जी ऋण जारी करने का आरोप है। इस मामले में अपराध से अर्जित राशि करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। कुट्टनल्लूर को-ऑपरेटिव बैंक के मामले में आरोप है कि पदाधिकारियों ने मालिकों और जमाकर्ताओं की अनुमति के बिना गिरवी रखी संपत्तियों का हस्तांतरण किया। इस मामले में अपराध से अर्जित राशि करीब 27 करोड़ रुपये बताई गई है। एजेंसी की कार्रवाई जारी है।

अवैध रूप से भारत आए 18 बांग्लादेशी गुवाहाटी में पकड़े गए, असम पुलिस ने होटल में छापेमारी कर दबोचा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम पुलिस ने गुवाहाटी में दो अलग-अलग अभियानों के दौरान बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करने वाले 18 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा है। इनमें 13 लोगों को बुधवार को और पांच को मंगलवार को हिरासत में लिया गया। बुधवार को विशेष सूचना के आधार पर शहर के एक होटल में छापेमारी कर चार महिलाओं और पांच बच्चों समेत 13 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। वे बुधवार सुबह दिल्ली से गुवाहाटी पहुंचे थे और अपने देश लौटने की तैयारी में थे।पूछताछ में बताया कि वे पिछले 14-15 वर्षों से श्रीनगर के पंथाचौक के आसपास अवैध रूप से रह रहे थे। श्रीनगर पुलिस की कार्रवाई के बाद वे गुवाहाटी पहुंचे थे। इससे एक दिन पहले पुलिस ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से मुंबई जाने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस से चार महिलाओं समेत पांच लोगों को पकड़ा था। पुलिस ने बताया कि सभी ने मेघालय की सीमा से भारत में प्रवेश किया था। होटल मालिक समेत चार अन्य लोगों को बांग्लादेशियों को ठहराने और यात्रा में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोगों को देश से निष्कासित करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नोएडा एयरपोर्ट पर विमान में यात्रियों का घुटने लगा दम, आरोप- '4 घंटे बुरी हालत में कैद रखा'

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक विमान में तकनीकि खराबी के चलते यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट के रनवे पर विमान के पहुंचते ही झटके महसूस होने लगे। आनन-फानन में पायलट ने प्लेन को वहीं रोक दिया और समस्या के निदान में जुट गया। इस दौरान प्लेन की एसी चलनी बंद हो गई थी। इससे विमान के भीतर बैठे यात्रियों की परेशानी बढ़ती ही चली गई। गर्मी और घुटन के बीच कुछ यात्रियों की तबीयत बिगड़ने की बात भी सामने आई। हालात से परेशान कुछ यात्री विमान से नीचे उतर आए और हंगामा किया। यात्रियों का आरोप है कि उन्हें करीब 4 घंटे तक विमान के अंदर ही रखा गया।

एक फ्लाइट रद्द, दूसरी आई तो झटके के बाद हुई समस्याएं: ये समस्या नोएडा एयरपोर्ट से इंडिगो की 6ई फ्लाइट से यात्रा कर रहे यात्रियों के साथ हुई है। 3:05 बजे की फ्लाइट करीब एक घंटे तक इंतजार कराने के बाद तकनीकी समस्या के कारण रद्द कर दी गई। शाम 5 बजे दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था की गई, लेकिन रनवे पर पहुंचने के बाद विमान तेज झटके के साथ रुक गया। विमान में बिजली से जुड़ी कोई खराबी बताई गई। जिसके चलते एसी भी बंद हो गया। एसी बंद होने से विमान में यात्रियों को गर्मी और घुटन होने लगी।

यात्रियों का आरोप- 4 घंटे तक विमान में कैद रखा: इस दौरान यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई यात्रियों के अस्वस्थ होने की बात भी सामने आई है। यात्रियों के विरोध के बाद विमान को किनारे किया गया और यात्रियों को बाहर निकलने दिया गया।

राजस्थान में बदलने वाला है मौसम, 11 अक्टूबर से बादल-बारिश

किन जिलों पर असर

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान के मौसम में एक बार फिर बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। दिन में भले ही गर्मी अभी परेशान कर रही हो, लेकिन रात के तापमान में गिरावट से कई शहरों में गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। अब 11 अक्टूबर से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल छाने और हल्की बारिश की संभावना है। इसका असर खासतौर पर बीकानेर और जयपुर संभाग के जिलों में देखने को मिल सकता है। राजस्थान में 11 अक्टूबर से बदलेगा मौसम, बारिश के आसारः रात में गुलाबी ठंडक, जयपुर जैसलमेर से भी गर्म; जानें आपके शहर का हाल राजस्थान में बुधवार को तापमान में गिरावट के बाद लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली। पिलानी, जैसलमेर, चूरू और श्रीगंगानगर समेत कई शहरों में दिन का तापमान करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आया। खास बात यह रही कि प्रदेश के किसी भी शहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंचा।

रात होते ही बढ़ी ठंडक, 4 शहरों में पारा 20 डिग्री से नीचे: दिन में गर्मी के बीच रात का मौसम अब धीरे-धीरे बदलने लगा है। उदयपुर, भीलवाड़ा, सिरोही और नागौर में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। इन इलाकों में सुबह और देर रात गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। माउंट आबू में रात सबसे ज्यादा ठंडी रही। यहां न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सिरोही में 16.2, उदयपुर में 18.2, भीलवाड़ा में 19.8, नागौर में 19.5, फतेहपुर में 19.4 और पाली में 19.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। फलोदी को छोड़कर प्रदेश के बाकी सभी शहरों में रात का पारा 26 डिग्री से नीचे रहा।

जयपुर जैसलमेर से भी ज्यादा गर्मः राजधानी जयपुर में दिन के समय गर्मी अभी बरकरार है। बुधवार को जयपुर का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह जैसलमेर के 37 डिग्री तापमान से भी थोड़ा ज्यादा रहा। दिनभर तेज धूप के कारण दोपहर में शहर के लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। हालांकि शाम होते ही तापमान गिरा और मौसम कुछ राहत देने वाला हो गया। जयपुर में न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पिलानी सबसे गर्म, पारा 39.3 डिग्रीः बुधवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्मी पिलानी में रही। यहां अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चूरू में 38.7, फलोदी और टोंक में 38.6, बाड़मेर में 38.1, श्रीगंगानगर में 37.6, जोधपुर में 37.5 और बीकानेर में 37.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। अलवर में 37.2, जबकि भीलवाड़ा और जैसलमेर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

● 11 और 12 अक्टूबर को इन जिलों में बदल सकता है मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक 10 अक्टूबर से एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने की संभावना है। इसके प्रभाव से 11 और 12 अक्टूबर को राजस्थान के कुछ हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। खासकर बीकानेर और जयपुर संभाग के 6-7 जिलों में इसका असर रहने की संभावना है। बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं और अलवर में आसमान में हल्के बादल छा सकते हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी हो सकती है।

● अगले दो दिन मौसम रहेगा ड्राई

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार अगले दो दिन प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान धूप निकलने के साथ तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। दिन में अधिकांश शहरों का अधिकतम तापमान 30 से 40 डिग्री, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 18 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

गुरुग्राम में मेट्रो का 13.6 KM वाला यह प्रोजेक्ट हो सकता है रद्द

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से सेक्टर-पांच तक मेट्रो परियोजना के निर्माण की योजना रद्द हो सकती है। हरियाणा मेट्रो रेल ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (एचएमआरटीसी) इस बारे में विचार कर रहा है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में प्रस्तावित एचएमआरटीसी की बैठक में इस परियोजना को लेकर चर्चा की जाएगी। इस मेट्रो परियोजना की लंबाई करीब 13.6 किमी है। पिछले साल इस मेट्रो परियोजना की डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी राइट्स को सौंपी गई थी। गुरुग्राम के इफको चौक से लेकर ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के बीच में मेट्रो के इस कॉरीडोर का हिस्सा करीब 7.1 किमी आ रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आदेश जारी किए हुए हैं कि नमो भारत ट्रेन के ट्रैक पर मेरठ की तर्ज पर मेट्रो संचालन की योजना तैयार की जाए। ऐसे में इफको चौक से गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड तक यह मेट्रो मार्ग गुरुग्राम से फरीदाबाद और नोएडा होते हुए ग्रेटर नोएडा तक प्रस्तावित नमो भारत ट्रेन के बीच में आ रहा है।

अंतिम फैसला मुख्य सचिव लेंगे: नमो भारत ट्रेन के इस हिस्से को यदि हटा दिया जाए तो 6.4 किमी का हिस्सा बचता है, जोकि इफको चौक से लेकर शीतला माता रोड होते हुए सेक्टर-पांच तक जाएगा। ऐसे में मेट्रो के इस छोटे मार्ग के निर्माण की योजना को रद्द करने पर विचार किया जा रहा है। बता दें कि

इस मेट्रो परियोजना की पूर्व योजना के मुताबिक गोल्फ कोस एक्सटेंशन रोड के समीप सेक्टर-57 स्थित हांगकांग बाजार के समीप से यह मेट्रो शुरू होनी थी, जो आरडी सिटी और मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो से होते हुए इफको चौक पहुंचीं। इफको चौक से सिग्नेचर टावर, महाराणा प्रताप चौक, अतुल कटारिया चौक से शीतला माता रोड होते हुए सेक्टर-पांच तक मेट्रो का निर्माण होना था। सेक्टर-पांच में इस मेट्रो और ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का इंटरचेंज स्टेशन तैयार करने की योजना थी। इस मेट्रो परियोजना को लेकर अंतिम फैसला मुख्य सचिव की तरफ से लिया जाएगा।

उपयोगिता पर भी सवाल उठे: नमो भारत और मेट्रो के एक ही रूट पर आने से परियोजना की उपयोगिता पर भी सवाल खड़े हुए हैं। अधिकारियों के स्तर पर अब दोनों परियोजनाओं के रूट और यात्रियों की संभावित जरूरत का आकलन किया जा रहा है। बैठक में इस बात पर भी चर्चा होने की संभावना है कि प्रस्तावित नमो भारत कॉरिडोर के संचालन के बाद इस हिस्से में अलग मेट्रो लाइन की कितनी जरूरत रह जाएगी।

यूपी पुलिस की हालत खराब, गैरकानूनी गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट की फटकार, कहा- आपको शर्म आनी चाहिए

इलाहाबाद , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा पुलिस द्वारा एक व्यक्ति की हिरासत को चुनौती देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को स्वीकार कर लिया। साथ ही पुलिस अधिकारियों को इस बात के लिए फटकार लगाई कि उन्होंने बंदी को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने का जो तरीका अपनाया, वह गैरकानूनी था। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने गौतम बुद्ध नगर के सहायक पुलिस आयुक्त और एसएचओ से मौखिक रूप से कहा कि आपको शर्म आनी चाहिए। टिप्पणी की कि इस राज्य में पुलिस की हालत बेहद खराब है। अधिकारियों को लगता है कि वे कुछ भी कर सकते हैं और बच निकलेंगे। खंडपीठ गौतम बुद्ध नगर के रहने वाले दीपक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में गौतम बुद्ध नगर फेज-ढ्ढढ्ढ थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में उसकी हिरासत को चुनौती दी गई थी। मामले के अनुसार बीते 23 अगस्त को दो गुटों में हिंसा की घटना घटी। पुलिस रिकॉर्ड से पता चलता है कि दीपक और चार अन्य लोगों को बीएनएसएस की धारा 126 , 135 व 170 के तहत हिरासत में लिया गया था। शिवराम शर्मा की लिखित रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इस प्रकार निर्विवाद क्रम यह था कि एफआईआर दर्ज होने से पहले ही याची पुलिस हिरासत में था और बाद में पुलिस हिरासत में रहते हुए ही उसे उस एफआईआर में औपचारिक रूप से गिरफ्तार दिखाया गया। एफआईआर में कई व्यक्तियों के नाम थे, जबकि याची का कहना था कि उसमें उसका नाम नहीं था और उसकी कोई विशिष्ट भूमिका नहीं थी।

धारा 130 में जारी था नोटिस: हाईकोर्ट के समक्ष एक अन्य मुद्दा बीएनएसएस की धारा 130 के तहत उन्हें जारी नोटिस का समय था। आरोप है कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने याचिकाकर्ता को 24 अगस्त को धारा 130 के तहत नोटिस जारी किया जबकि याची को एक दिन पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। इस पर आपत्ति जताते हुए खंडपीठ ने पांच अक्टूबर को विशेष रूप से यह टिप्पणी की थी कि सवाल यह उठता है कि याची को बीएनएसएस की धारा 126 व 170 के तहत हिरासत में लेने से पहले जो नोटिस जारी किया जाना चाहिए था, वह उसे हिरासत में लेने के बाद कैसे जारी किया गया।

हाईकोर्ट ने अधिकारियों को लगाई फटकार: कोर्ट ने कहा कि इस प्रश्न का उत्तर केवल गौतम बुद्ध के सहायक पुलिस आयुक्त- ढ्ढ ही दे सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप कोर्ट ने एसीपी को बीएनएसएस की धारा 126, 135 ब 170 के तहत कार्यवाही से संबंधित सभी दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि गिरफ्तार करने वाले अधिकारी ने गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को यह सूचित नहीं किया कि पूछताछ के दौरान उसे अपनी पसंद के वकील से मिलने का अधिकार है। डीएसपी कमलेश कांत एसीपी-2 (सेंट्रल नोएडा) कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट ने पुलिस से जमानत बांड प्रक्रिया के दस्तावेजीकरण के बारे में सवाल किया। कोर्ट ने मौखिक रूप से बताया कि पुलिस रिकॉर्ड में यह दर्ज नहीं है कि पुलिस ने याची से जमानत राशि देने की इच्छा के बारे में पूछा था। गिरफ्तारी रिकॉर्ड में भी किसी विशिष्ट राशि का उल्लेख नहीं है। कोर्ट ने प्रक्रिया के दस्तावेजीकरण के तरीके पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि आपको शर्म आनी चाहिए। याची की गैरकानूनी हिरासत को देखते हुए कोर्ट ने उसकी याचिका स्वीकार कर ली और उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

रिहाई के आदेश के बाद भी नहीं हुआ था रिहा: याचिका में आरोप लगाया गया कि दीपक 23 अगस्त से ही हिरासत में था और 24 अगस्त को उसकी रिहाई का आदेश होने के बावजूद उसे कभी भी शारीरिक रूप से रिहा नहीं किया गया। याचिका में आरोप लगाया गया कि वह पुलिस की शारीरिक हिरासत और नियंत्रण में रहा और बाद में उसे केस क्राइम नंबर 370 में गिरफ्तार दिखाया गया। उनकी याचिका में पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज घटनाक्रम के आधार पर उनकी गिरफ्तारी, निरंतर हिरासत और बाद में रिमांड की वैधता को चुनौती दी गई थी।इसमें गिरफ्तारी संबंधी दस्तावेजों में विसंगतियों की ओर भी इशारा किया गया, जिसमें यह आरोप भी शामिल है कि 24 अगस्त को हुई गिरफ्तारी को दर्ज करने वाले गिरफ्तारी ज्ञापन पर 23 अगस्त के हस्ताक्षर/तारीख अंकित थी। याचिका में यह तर्क दिया गया कि किसी अवैध गिरफ्तारी को केवल इसलिए स्वतः वैध नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि बाद में रिमांड आदेश किया गया था।

खुद के पाले भस्मासुर पर ही नहीं रहा कंट्रोल, आतंकवाद को लेकर यूएन में भारत ने उतारा पाकिस्तान का नकाब

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के सामने इस्लामाबाद के दोहरे रवैये को उजागर करते हुए भारत ने कहा है कि पाकिस्तान ने आतंकवाद का जो फ्रेंकस्टीन मॉन्स्टर (भस्मासुर) बनाया था उस पर उसका नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो चुका है। उसका पाला हुआ भस्मासुर अब उन्हीं लोगों पर हिंसक हमले कर रहा है जिन्होंने इसे बनाया था।बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के मिशन के फर्स्ट सेक्रेटरी राघू पुरी ने कहा, पाकिस्तान ने खुद को आतंकवाद से लड़ने वाले देश और पीड़ित के तौर पर पेश किया है लेकिन वह इस बात को छिपाता रहा है कि पाकिस्तानी सरकार ने जिन फ्रेंकस्टीन (खतरनाक राक्षसों) को बनाया और जिन पर से अपना कंट्रोल खो दिया वे अब पड़ोसी देशों में तबाही मचाने के बाद पाकिस्तान में भी वही सब कर रहे हैं।

पाकिस्तानी नेता ने ही उजागर किया काला सचः उन्होंने कहा, हाल ही में पाकिस्तान की एक प्रांतीय मुख्यमंत्री ने इस बात का खुलासा किया था। मैं अपने साथियों को 2018 में

उनके पिता और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री के उस इंटरव्यू की याद दिलाना चाहूंगा जिसमें इस काले सच को उजागर किया गया था। पुरी ने चेतावनी देते हुए कहा, आप एक ही समय में दो विरोधी पक्षों का साथ नहीं दे सकते। असलियत ऐसी नहीं होती। यूएन जनरल असेंबली की छठी कमिटी (जो कानूनी मामलों को देखती है) की कार्यवाही के दौरान पुरी पाकिस्तान के डिप्टी परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव उस्मान जादून द्वारा नई दिल्ली के खिलाफ बिना किसी उकसावे के की गई तीखी आलोचना के जवाब में भारत का पक्ष रख रहे थे।

किस नेता की बात कर रहे थे पुरीः पाकिस्तान के राजनीतिक ढांचे के अंदरूनी विरोधाभासों को उजागर करते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पिछले महीने लाहौर में कहा, दुर्भाग्य से 13 करोड़ की आबादी वाले पंजाब प्रांत को खतरा मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी प्रांतों से ज्यादा है।2018 में डॉन अखबार को दिए एक इंटरव्यू में उनके पिता और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने साफ तौर पर माना था कि मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले की साजिश में उनके देश का हाथ था। उन्होंने कहा था, चरमपंथी संगठन सक्रिय हैं। उन्हें नॉन-स्टेट एक्टर्स (गैर-सरकारी तत्व) कहें।

पाकिस्तान के मनगढ़ंत दावों को किया खारिजः इस्लामाबाद के सैन्य नतीजों को लेकर गलतफहमी भरे रवैये का मजाक उड़ाते हुए पुरी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ अपनी कथित जीत के बारे में पाकिस्तान के मनगढ़ंत दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अगर बमबारी से बर्बाद हुए एयरफील्ड और गड्ढों वाले रनवे पाकिस्तान को जीत जैसे लगते हैं तो बेशक वे इसका आनंद ले सकते हैं।उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के नतीजों पर पाकिस्तानी सेना के नैरेटिव को गलत तरीके से पेश करने की पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बेताबी असल में राज्य-प्रायोजित गलत सूचना और मनोवैज्ञानिक धोखे की उनकी पुरानी मशीनरी का ही हिस्सा थी।

धर्म पूछकर चलाई गोलियांः पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को याद दिलाया कि कैसे जिहादियों ने हिंदू और ईसाई पर्यटकों को मारने से पहले उनकी धार्मिक पहचान पूछी और उन्हें खास तौर पर निशाना बनाया।उन्होंने कहा, पहलगाम में पीड़ितों से उनकी राजनीतिक विचारधारा के बारे में नहीं पूछा गया। उनसे उनके धर्म के बारे में पूछा गया। उन्होंने जोर देकर कहा, इसलिए यह बहुत बड़ी विडंबना है कि पाकिस्तान धार्मिक नफरत से लड़ने की बात तो करता है लेकिन साथ ही ऐसे हालात भी बनाए रखता है जिनसे यह नफरत बनी रहे और पनपे, खासकर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर।

अमेरिका में मॉल में हमले की साजिश का खुलासा, एफबीआई एजेंटों ने युवा को 600 डॉलर में बेची एके-47

वॉशिंगटन , एजेंसी। एफबीआई एजेंटों ने मॉल ऑफ अमेरिका पर एक किशोर के आतंकी हमले की साजिश को नाकाम कर दिया। उन्होंने लगभग दो साल तक उस पर नजर रखी और आखिर में उसे वही एके-47 राइफल मुहैया कराई जिसका इस्तेमाल वह हमले के लिए करना चाहता था।यह 18 साल का किशोर दिसंबर 2024 से ही एफबीआई की रडार पर था। उसने एक गुप्त मुखबिर के साथ मैसेज का आदान-प्रदान शुरू किया था। एक शिकायत के अनुसार, शुरू में उसने अल-शबाब चरमपंथियों की ओर से लड़ने के लिए सोमालिया जाने में दिलचस्पी दिखाई थी। शिकायत में कहा गया है कि जब मॉल पर हमला करने की उसकी योजना पक्की हो गई तो एजेंटों ने मंगलवार को उसे बंदूक और गोला-बारूद बेचा और उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

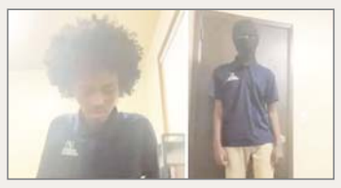

30 से 40 लोगों को मारना चाहता थाः अमेरिकी अटॉर्नी डैनियल रोसेन ने कहा, यह एक कट्टरपंथी सोच वाला युवक था, जिस पर नजर रखने की जरूरत थी। एजेंट खतरे का पता लगाने और उसे नाकाम करने में कामयाब रहे, इससे पहले कि आरोपी अपने उस इरादे को अंजाम दे पाता। उसी के शब्दों में कहा जाए तो शायद वह 30 से 60 लोगों को मारना चाहता था।

एफबीआई का प्लानः एजेंसी ने बताया कि शेखदून अब्दुल्लाही मोहमुद को मंगलवार को रिचफील्ड के एक पब्लिक पार्क में गिरफ्तार किया गया। यह जगह मॉल ऑफ अमेरिका से कई मील उत्तर-पश्चिम में है। गिरफ्तारी तब हुई जब उसने एक राइफल और 200 राउंड गोलियों के लिए एक अंडरकवर एफबीआई कर्मचारी को 600 डॉलर दिए।

ईरान पर फिर हमले करने की योजना में अमेरिका, सेना को तैयार रहने का दिया निर्देश

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने के बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है, लेकिन पेंटागन को नए हमलों की संभावना के लिए तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। एक्सियोस ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन ने कुछ दिन पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड को ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया था। इस निर्देश में हमले शुरू करने के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की गई थी। अमेरिका और इजराइल के अधिकारियों ने एक्सियोस को बताया कि नए सिरे से सैन्य कार्रवाई 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले और संभवतः इजराइल में होने वाले चुनावों से पहले भी हो सकती है, जो एक हफ्ते पहले होने की उम्मीद है। सूत्रों के हवाले से एक्सियोस ने बताया कि अगर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू होती है तो इसमें ईरान के ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और परमाणु

ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले शामिल होने की उम्मीद है। पेंटागन के एक अधिकारी ने एक्सियोस से कहा, विभाग का काम राष्ट्रपति के सामने सैन्य विकल्प तैयार करना और उन्हें पेश करना है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि ट्रंप के पास किसी भी समय सभी विकल्प मौजूद हैं। अधिकारी ने कहा, अमेरिका बहुत मजबूत स्थिति में है; होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण है और ईरान की अर्थव्यवस्था ढह रही है। ईरान बुरी तरह प्रभावित हुआ है और अब चीजें दो में से किसी एक रास्ते पर आगे बढ़ेंगी- आसान रास्ता या मुश्किल रास्ता। राष्ट्रपति ट्रंप के पास सभी विकल्प हैं और वह वही करेंगे जो अमेरिका के लिए सबसे अच्छा होगा। एक्सियोस ने द अटलांटिक की उस रिपोर्ट का भी जिक्र किया जिसमें कहा गया है कि ट्रंप अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान पर हमले पर विचार कर रहे हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने शुक्रवार को कैंप डेविड में कई घंटों तक बैठक की जिसमें युद्ध और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इजराइल के एक अधिकारी ने बताया कि बैठक का एक हिस्सा ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की संभावना पर केंद्रित था।बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि बैठक दीर्घकालिक विदेश नीति की योजना पर केंद्रित थी। एक्सियोस के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कोई प्रगति नहीं हुई है। कतर के मध्यस्थ अभी भी ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं जो अमेरिका के उस जवाबी प्रस्ताव पर आना है जिसमें परमाणु रियायतों की मांग की गई थी। एक दूसरे इजराइली अधिकारी ने एक्सियोस को बताया, ईरान में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू होने की चर्चा बढ़ गई है। चुनाव से पहले ऐसा होने की संभावना ज्यादा नहीं है, लेकिन हम इससे इनकार नहीं कर सकते। मध्यावधि चुनावों के बाद इसके होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। ट्रंप ने बुधवार को इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की; कई हफ़्तों तक बातचीत न होने के बाद कुछ ही दिनों में यह उनकी दूसरी बातचीत थी। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ट्रंप और नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर के नरसंहार के पीड़ितों की याद और सम्मान के बारे में बात की। एक्सियोस के मुताबिक पहले इजराइली अधिकारी के अनुसार, यह बातचीत नेतन्याहू की अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ ईरान पर बैठक के बाद हुई। नेतन्याहू ने सोमवार को रुबियो से भी बात की थी। रिपोर्ट के अनुसार अगर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू होती है, तो इसमें अमेरिका और इजराइल के मिलकर काम करने और इजराइली सेना के शामिल होने की संभावना है।दो इजराइली अधिकारियों ने कहा कि ईरानी सरकार हताश और डरी हुई है जिससे तेहरान पहले हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान दो अचानक हमलों का सामना कर चुका है और तीसरा हमला नहीं झेलना चाहता। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार फिर से युद्ध छिड़ने से इजराइल के चुनावों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें दाग सकता है।इस बीच बुधवार (स्थानीय समय) को सैन एंटोनियो में रिपब्लिकन प्रचार रैली के लिए वाशिंगटन से निकलते समय ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की परमाणु शक्ति खत्म कर दी है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के साथ युद्ध बहुत तेजी से खत्म हो जाएगा और दावा किया कि तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमें जो करना है, उसके नजरिए से यह एक युद्ध है। हमें ईरान के परमाणु हथियारों से छुटकारा पाना है। हमने उनकी परमाणु शक्ति खत्म कर दी है। अगर उनके पास परमाणु शक्ति होती, तो आपको ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ता जैसी आपने पहले कभी नहीं की थीं। अभी उनका पूरा देश बर्बाद हो चुका है। यह बहुत जल्द खत्म हो जाएगा, और जब ऐसा होगा, तो तेल की कीमतें तेज़ी से गिरेंगी।

स्वामित्व योजना से पात्र हितग्राहियों का नि:शुल्क भू-अभिलेख पंजीयन सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव

कलेक्टरों को दिए निर्देश, योजना को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियां दूर करने और आमजन के हित में तेजी से कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। प्रदेश के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को स्वामित्व योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए उन्होंने सभी कलेक्टरों से कहा कि योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों के भू-अभिलेखों का ऑनलाइन पंजीयन नि:शुल्क सुनिश्चित किया जाए ताकि पात्र लोगों को योजना का लाभ समय पर मिल सके मुख्य सचिव ने कहा कि स्वामित्व योजना प्रदेश के करीब 50 लाख परिवारों को भूमि के पंजीयन संबंधी अभिलेख नि:शुल्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि संबंधी अधिकारों को अभिलेखों में दर्ज करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों और निवेश को बढ़ावा मिलने की संभावना है उन्होंने कहा कि योजना के सभी प्रावधानों को व्यापक विचार-विमर्श और वैधानिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है योजना से किसी के हितों को नुकसान पहुंचाने का उद्देश्य नहीं है, बल्कि पात्र हितग्राहियों और भूमिहीन परिवारों के हितों को मजबूत करना इसका उद्देश्य है।

भ्रांतियां दूर कर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करें: मुख्य सचिव ने कहा कि स्वामित्व योजना को लेकर राजस्व अधिकारियों और पटवारियों के मन में यदि किसी प्रकार की आशंका है तो उसका समाधान योजना के प्रावधानों में किया गया सभी कलेक्टर इन प्रावधानों की जानकारी अधिकारियों-कर्मचारियों तक पहुंचाएं और योजना के संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर करने के लिए आवश्यक संवाद करें उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कराने और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी कलेक्टरों की आम जनता के हितों के संवर्धन में किसी भी प्रकार की बाधा को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। योजना को लेकर सवाल या आशंका रखने वाले लोगों से संवाद कर उनकी शंकाओं का समाधान किया जाए ताकि पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहें।

भू-राजस्व संहिता के अनुसार होगी कार्रवाई: मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वामित्व योजना के तहत सभी कार्यवाहियां भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना में किसी अधिकारी या कर्मचारी का व्यक्तिगत नहीं बल्कि उसके पद के अनुरूप पदीय दायित्व निर्धारित किया गया है।

प्राचार्य की कुर्सी बदली तो गंगाजल से शुद्धिकरण का आरोप, अमरपाटन के पीएमश्री स्कूल में विवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा/मैहर (निप्र)। मैहर जिले के अमरपाटन विकासखंड अंतर्गत शासकीय पीएमश्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करही में प्राचार्य का प्रभार बदलने के बाद कथित तौर पर गंगाजल से शुद्धिकरण कराए जाने का मामला सामने आया है सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और खबरों का हवाला देते हुए कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक कुँवर सिंह पटेल ने रीवा संभागायुक्त को शिकायत भेजकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है शिकायत के अनुसार विद्यालय के तत्कालीन प्राचार्य राम शाखा वर्मा के सेवानिवृत्त होने के बाद रामसखेद्र द्विवेदी को प्राचार्य का प्रभार सौंपा गया आरोप है कि नए प्राचार्य द्वारा प्रभार ग्रहण करने के दौरान प्राचार्य कक्ष में गंगाजल का छिड़काव कराया गशिकायतकर्ता ने इस कथित घटना को गंभीर बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कुँवर सिंह पटेल ने आरोप लगाया है कि यदि प्राचार्य कक्ष में वास्तव में इस प्रकार का शुद्धिकरण कराया गया है तो इसकी वजह स्पष्ट की जानी चाहिए उन्होंने मामले को जातिगत भेदभाव और छुआछूत से जोड़ते हुए कहा कि शासकीय विद्यालय सभी वर्गों के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए समान स्थान हैं ऐसे में किसी भी गतिविधि से भेदभाव का संदेश नहीं जाना चाहिए उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में संविधान में निहित समानता और भेदभाव रहित व्यवस्था का पालन होना चाहिए शिकायतकर्ता ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रही घटना की वास्तविकता तथ्यों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। संभागायुक्त को दिए आवेदन में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और संबंधित समाचारों की सत्यता की जांच कराने तथा पूरे घटनाक्रम की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग की गई है शिकायतकर्ता ने कहा है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध सेवा नियमों और लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए साथ ही रीवा संभाग के अन्य शासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में भी ऐसी गतिविधियों की निगरानी और समानता आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई मामले में वीडियो की सत्यता और पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में होगी नगर निगम परिषद की बैठक, विकास और जनहित के मुद्दों पर होगा मंथन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना की परिषद की बैठक अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित किए जाने की संभावना है महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने नगर निगम परिषद अध्यक्ष को पत्र लिखकर बैठक आहूत करने का अनुरोध किया है बैठक में शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और निगम की प्रशासनिक एवं वित्तीय गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा किए जाने की तैयारी है महापौर ने परिषद अध्यक्ष को भेजे पत्र में कहा है कि शहर के विकास कार्यों की समीक्षा के साथ नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर परिषद में विचार-विमर्श और आवश्यक निर्णय लिया जाना जरूरी है। इसके अलावा नगर निगम की प्रशासनिक एवं वित्तीय गतिविधियों से संबंधित मामलों को भी परिषद के समक्ष रखा जाएगा महापौर ने अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में परिषद की बैठक आयोजित करने के लिए परिषद अध्यक्ष से सुविधानुसार तिथि और समय निर्धारित करने का आग्रह किया है बैठक की निर्धारित तिथि और एजेंडा परिषद स्तर पर तय होने के बाद संबंधित प्रस्तावों को चर्चा के लिए रखा जाएगा। प्रस्तावित परिषद बैठक में नगर निगम से जुड़े लंबित महत्वपूर्ण प्रस्तावों के साथ नए प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है। शहर के विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और प्रशासनिक विषयों से संबंधित प्रस्तावों पर परिषद नियमानुसार विचार कर आवश्यक निर्णय लेगी बैठक में पार्षदों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े जनहित के मुद्दे भी उठाए जा सकते हैं।

फास्टैग में राशि कम मिली तो टोल पर विवाद, थार सवार पर हथियार दिखाकर धमकाने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। सोहागपुर थाना क्षेत्र के धुरवार स्थित एनएच-43 टोल प्लाजा पर फास्टैग में पर्याप्त राशि नहीं होने को लेकर विवाद हो गया टोल कर्मचारियों ने एक थार चालक पर बहस के दौरान वाहन से पिस्टल या कट्टा जैसा हथियार निकालकर धमकाने का आरोप लगाया है घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति के हाथ में हथियार जैसी वस्तु दिखाई देने का दावा किया जा रहा है टोल प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है टोल कर्मचारी राजकुमार यादव के मुताबिक बुधवार रात करीब 10 बजे बुढार की ओर से एक थार शहडोल की तरफ आ रही थी। टोल प्लाजा पर वाहन की जांच के दौरान फास्टैग में पर्याप्त राशि नहीं मिली कर्मचारियों ने चालक से पहले फास्टैग रिचार्ज कराने के लिए कहा इसी बात को लेकर चालक और टोल कर्मचारियों के बीच बहस शुरू हो गई। टोल कर्मचारी ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि बहस बढ़ने पर थार चालक ने वाहन में रखा हथियार निकाल लिया और कर्मचारियों को धमकाया इसके बाद मौके पर मौजूद अन्य टोल कर्मचारी वहां पहुंचे और बीच-बचाव किया घटना के बाद टोल प्रबंधन ने सोहागपुर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की। शिकायत में टोल कर्मचारियों ने चालक का नाम ऋषि सिंह बताया है। हालांकि सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही वस्तु वास्तव में पिस्टल, कट्टा या कोई अन्य वस्तु है इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई इसी तरह कथित हथियार लाइसेंसी है या अवैध, यह भी पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगा। सोहागपुर पुलिस के अनुसार टोल कर्मचारियों की शिकायत प्राप्त हुई है पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और घटना में शामिल वाहन तथा चालक की पहचान संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है ।

जन विश्वास शिविर के तहत 9 अक्टूबर को आईटीआई मझौली में लगेगा रक्तदान शिविर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जन विश्वास शिविर मझौली के अंतर्गत 9 अक्टूबर 2026 को आईटीआई मझौली में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा शिविर में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्षेत्र के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए अधिकारियों एवं सहयोग टीम ने विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व की जानकारी देते हुए उन्हें इस मानवीय कार्य में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया एसडीएम मझौली आकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में सहयोग टीम के सदस्यों ने शासकीय महाविद्यालय मड़वास और शासकीय महाविद्यालय मझौली में विद्यार्थियों के साथ संवाद इस दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव सहित विभिन्न परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त की आवश्यकता होती है ऐसे समय में रक्तदाताओं द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को रक्तदान की आवश्यकता और इसकी उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी गई उनसे अपील की गई कि वे स्वयं रक्तदान करने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें सहयोग टीम ने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से रक्तदान शिविर को सफल बनाया जा सकता है और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसी क्रम में आईटीआई मझौली के विद्यार्थियों के बीच भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया विद्यार्थियों को 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं से कहा गया कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है और स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है।

अधिक से अधिक लोगों से पहुंचने की अपील: कार्यक्रम के दौरान सहयोग टीम के सदस्य चंद्रकांत सिंह, विकासखंड प्रबंधक ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली, अरविंद तिवारी, जनपद पंचायत मझौली तथा डॉ. संदीप शर्मा, शासकीय महाविद्यालय मझौली उपस्थित रहे अधिकारियों ने नागरिकों और युवाओं से अपील की है कि वे 9 अक्टूबर को आईटीआई मझौली में आयोजित रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करें साथ ही अपने परिचितों को भी शिविर के संबंध में जानकारी देकर रक्तदान के लिए प्रेरित करें, ताकि सामूहिक प्रयास से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

अटल पार्क में 17 अक्टूबर से सजेगा गरबा फेस्टिवल, 200 कलाकार करेंगे ओपन गरबा

हिन्दू धर्म परिषद की 40वीं वर्षगांठ पर तीन दिवसीय आयोजन, विशाल मंच पर गुजराती वेशभूषा में दिखेगा रंगारंग नजारा

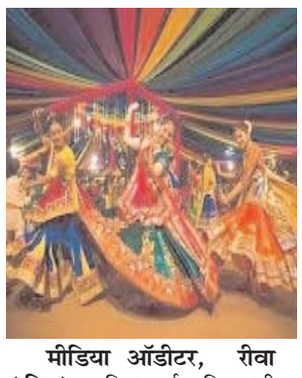

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस वर्ष नवरात्रि गरबा फेस्टिवल-2026 का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर तक अटल पार्क के प्रांगण में किया जाएगा तीन दिवसीय आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई आयोजन में नगर के करीब 200 कलाकार गुजराती पारंपरिक वेशभूषा में सामूहिक ओपन गरबा प्रस्तुत कार्यक्रम में हजारों दर्शकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए विशाल मंच के साथ अन्य व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं परिषद के आजीवन संरक्षक अविराज ने बताया कि गरबा फेस्टिवल के लिए अटल पार्क में स्थल का चयन कर लिया गया है और आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। नवरात्रि के दौरान आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर नगरवासियों में उत्साह गरबा के दौरान कलाकार पारंपरिक गुजराती परिधान में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे जिससे आयोजन में गुजरात की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। उन्होंने बताया कि परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी के मार्गदर्शन में होने वाले इस आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया गया है आयोजन प्रभारी हिमांशु सिंह बघेल तीन दिवसीय कार्यक्रम की तैयारियों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं दर्शकों की सुविधा और आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। संगठन प्रभारी संरक्षक अवधेश श्रीवास्तव के साथ मार्गदर्शक डॉ. सीबी शुक्ला, डॉ. केके परौहा, डीपी सिंह परिहार, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. नरेश बजाज, डॉ. राहुल मिश्रा, विजय मोहन तिवारी और डॉ. विनोद तिवारी ने आयोजन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि गरबा फेस्टिवल में नगरवासियों का स्वागत किया जाएगा और आयोजन में आने वाले दर्शकों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। आयोजन के दौरान नगर के गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। हिन्दू धर्म परिषद ने नागरिकों से नवरात्रि गरबा फेस्टिवल में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

पंखे ठीक कराने पहुंचे छात्र का प्राचार्य पर गला दबाने का आरोप, शिक्षक से भी अभद्रता

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी का मामल, छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश, जांच और कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, गढ़ी (निप्र)। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी में विद्यालय की व्यवस्थाओं और अध्यापन से जुड़ा मामला सामने आया है कक्षा में खराब पड़े पंखों को ठीक कराने की मांग लेकर प्राचार्य के पास पहुंचे एक छात्र के साथ कथित तौर पर हाथापाई और गला दबाने का आरोप लगाया गया है। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे शिक्षक के साथ भी अभद्रता किए जाने की बात सामने आई है जानकारी के अनुसार विद्यालय की कुछ कक्षाओं में पंखे खराब होने के कारण छात्र भीषण गर्मी से परेशान थे इसी समस्या को लेकर कुछ छात्र प्राचार्य कक्ष में पहुंचे और पंखों की मरम्मत कराने का आग्रह किया आरोप है कि बातचीत के दौरान प्राचार्य नाराज हो गए और एक छात्र के साथ कथित तौर पर हाथापाई करते हुए उसका गला दबा दिया घटना के समय विद्यालय में मौजूद शिक्षक कैलाश नारायण द्विवेदी ने छात्र को बचाने के लिए बीच-बचाव करने का प्रयास किया आरोप है कि इस दौरान प्राचार्य ने शिक्षक के साथ भी अभद्र व्यवहार किया और अपशब्द कहे। शिक्षक को धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है घटना की जानकारी सामने आने के बाद विद्यालय के छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी बताई जा रही है अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान संवाद और अनुशासन के माध्यम से किया जाना चाहिए यदि छात्र के साथ मारपीट या दुर्व्यवहार के आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारी मामले की गंभीरता से जांच करें। पीड़ित छात्र और शिक्षक की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष शिकायत किए जाने की तैयारी की जा रही है ग्रामीणों और अभिभावकों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है वही प्राचार्य का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

रीवा में जल्द शुरू होंगी 20 संस्कार शालाएं, 20 आचार्यों का चयन

विहिप सेवा विभाग की बैठक में बनी कार्ययोजना, चयनित आचार्यों को दिया जाएगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) सेवा विभाग द्वारा संचालित संस्कार शालाओं के सुचारु संचालन को लेकर बुधवार को रीवा में आचार्य चयन बैठक आयोजित की गई बैठक में नगर की 20 बस्तियों से 30 आचार्यों को आमंत्रित किया गया था चयन प्रक्रिया के बाद 20 आचार्यों का अंतिम रूप से चयन किया गया अब रीवा नगर की 20 अलग-अलग बस्तियों में संस्कार शालाएं शुरू करने की तैयारी की जा रही है। बैठक में आगामी 20 अक्टूबर से 10 नवंबर के बीच चयनित आचार्यों के प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई विहिप पदाधिकारियों के अनुसार चयनित आचार्यों को केंद्रीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा प्रशिक्षण पूरा होने के बाद चयनित आचार्य संबंधित बस्तियों में संस्कार शालाओं का संचालन शुरू करेंगे।

प्रशिक्षण के बाद शुरू होगा संचालन: विहिप के सहसंयोजक एवं प्रचार-प्रसार प्रमुख सुमित मांजवानी ने बताया कि बैठक में विहिप के विभाग मंत्री विश्वनाथ खारोल ने संस्कार शाला के संचालन से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया वहीं प्रांत सेवा सह प्रमुख अवधेश सिंह ने आचार्यों की चयन प्रक्रिया पूरी कर आगामी प्रशिक्षण वर्ग की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान चयनित आचार्यों को संस्कार शालाओं के संचालन और गतिविधियों से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी। संगठन का उद्देश्य निर्धारित बस्तियों में नियमित रूप से संस्कार आधारित गतिविधियों का संचालन करना है बैठक में जिला सेवा प्रमुख सौरभ चंदेल, डॉ. निर्मल चौहान, प्रांत कार्यसमिति सदस्य नीलू सिंह, मीना सिंह तिवारी सहित समिति के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुसमी में वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान समारोह, पूर्व सैनिकों के त्याग और शौर्य को किया नमन

सेवा संकल्प अभियान के तहत चार पूर्व सैनिक हुए सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत कुसमी के सभागार में वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में क्षेत्र के भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित कर उनके त्याग, शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई समारोह में विधायक धौहनी कुँवर सिंह टेकाम ने पूर्व सैनिकों का सम्मान करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा और मजबूती में सैनिकों का योगदान अतुलनीय है कार्यक्रम में ग्राम भगवार निवासी सेवानिवृत्त हवलदार श्रवण कुमार मिश्रा, सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर रामेश्वर सिंह, ग्राम वजबई निवासी सीआरपीएफ के सेवानिवृत्त हवलदार रामप्रसाद सिंह तथा ग्राम धुम्माडोल निवासी बीएसएफ के सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक महाबली सिंह को सम्मानित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सभी पूर्व सैनिकों के अनुभवों को सुना और राष्ट्रसेवा में उनके योगदान को याद किया।

राष्ट्रसेवा की भावना को नमन: विधायक कुँवर सिंह टेकाम ने कहा कि हमारे सैनिक अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से ऊपर उठकर देश की रक्षा के लिए जीवन समर्पित करते हैं उनका साहस, अनुशासन और देशभक्ति समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायक है पूर्व सैनिकों का सम्मान केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा की उस भावना का सम्मान है जिसके कारण देश सुरक्षित और मजबूत बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति सम्मान, सेवा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का माध्यम है सैनिकों और पूर्व सैनिकों की वीरगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है ताकि युवा देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें और राष्ट्रहित में आगे बढ़ने की प्रेरणा लें।

युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाने पर जोर: कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सम्मानित पूर्व सैनिकों से संवाद कर उनके सेवाकाल के अनुभव सुने वक्ताओं ने कहा कि सैनिकों का जीवन त्याग, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण है ऐसे आयोजनों से युवाओं को राष्ट्रप्रेम और देशसेवा की प्रेरणा मिलती है समारोह का उद्देश्य सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने के साथ ही युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों और गणमान्य नागरिकों ने भी पूर्व सैनिकों के योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। समारोह में एसडीएम कुसमी सागर दिलीप जैन, बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी, सरपंच चतेना सिंह, उपसरपंच विमल जायसवाल, समाजसेवी अखंड प्रताप सिंह, समाजसेवक दिनेश सिंह, जितेंद्र गुप्ता, पंचायत ग्रामीण विकास विभाग के पंकज मिश्रा, जयराज सिंह सहित सरपंच-सचिव, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विकसित भारत की चुनौती

संपादकीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रशासनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देश के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प व्यक्त करते हुए यह जो कहा कि वे विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे, वह एक कठिन लक्ष्य अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। इसका कारण यह है कि उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर इस राज्य की तस्वीर बदलने में ऐसी सफलता प्राप्त की कि उनके गुजरात माडल ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा और इसी कारण वे प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए। प्रधानमंत्री बनते ही उन्होंने मनमोहन सरकार की नीतिगत पंगुता से उपजे निराशाजक माहौल को दूर किया और शासन के तौर-तरीके में बुनियादी बदलाव लाए। अपने 12 साल के कार्यकाल में उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है कि उसकी कोई भी अनदेखी नहीं कर सकता। उन्होंने अर्थव्यवस्था से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा तक एक साथ कई मोर्चों पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की और देश को प्रगति पथ पर तेजी के साथ अग्रसर किया। उनकी जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं के चलते आज देश की भी तस्वीर बदल चुकी है। यह संभव हुआ उनकी प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति और साहसिक फैसले लेने की क्षमता के कारण। उनकी कार्यशैली ने देश के साथ दुनिया का भी ध्यान अपनी ओर खींचा तो इसीलिए कि उन्होंने अपनी योजनाओं को प्रभावी तरीके से अमल में लाकर किसी न किसी रूप में हर भारतीय के जीवन को प्रभावित किया। इसी के साथ उन्होंने अपनी विदेश नीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत का मान भी बढ़ाया। इसी कारण वे पिछले एक दशक से अधिक समय से विश्व के लोकप्रिय शासकों में शीर्ष पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। इतने लंबे समय तक किसी शासक का देश-विदेश में लोकप्रिय बने रहना अपने आप में एक उपलब्धि है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से लिए गए ऐसे फैसलों की एक लंबी सूची है, जिन्होंने उन्हें एक सक्षम शासक के रूप में स्थापित करने के साथ ही यह भी सिद्ध किया कि वे कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करना और उनसे पार पाना जानते हैं। उनके शासन की एक विशेषता यह भी रही कि उन्होंने देश के स्वाभिमान और संस्कृति को भी शिखर पर ले जाने का काम किया, लेकिन अब जब वे विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता जता रहे हैं, तब यह भी ध्यान रखना होगा कि इस लक्ष्य के सामने कुछ बाधाएं हैं। इनसे पार पाने के लिए सबसे अधिक आवश्यक यह है कि देश की नौकरशाही अपना रवैया बदले। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि तमाम प्रगति और परिवर्तन के बावजूद कुछ मामलों में भारत अभी कुछ प्रमुख विकासशील देशों जैसा भी नहीं बन पाया है। इसके कारणों की पहचान कर उनका सही तरह निवारण करना मोदी शासन की पहली प्राथमिकता बननी चाहिए।

गर्मी के घेरे में भारतीय शहर

डॉ. प्रियंका सौरभ

(जब विकास शहरों को तपाने लगे)

शहर केवल इमारतों, सड़कों और बाजारों का विस्तार नहीं होते, बल्कि वे मनुष्य, प्रकृति और संसाधनों के बीच संतुलन का प्रतिबिंब भी होते हैं। भारत में तेजी से हो रहा शहरीकरण आर्थिक विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का आधार बना है, लेकिन इसके साथ शहरों की गर्मी भी लगातार बढ़ रही है। शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव यानी ह्ड्डुठ्ठ॥द्गड्डह्ल ढ्ढह्यद्यड्डठ्ठस्र श्वद्धद्धद्गष्ह्ल इसका एक महत्वपूर्ण कारण है। इसके तहत शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। कंक्रीट और डामर से ढकी सतहें दिनभर सूर्य की गर्मी सोखती हैं और रात में धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं। परिणामस्वरूप शहरों में रातें भी अपेक्षाकृत अधिक गर्म रहने लगती हैं।भारत के अनेक शहरों में बढ़ता ताप तनाव केवल मौसम परिवर्तन का परिणाम नहीं है। यह इस बात का भी परिणाम है कि हमने अपने शहरों की योजना किस प्रकार बनाई है। जब विकास के नाम पर पेड़ काटे जाते हैं, खुले मैदानों पर निर्माण होता है, जलाशयों पर अतिक्रमण होता है और हर खाली स्थान को कंक्रीट से ढक दिया जाता है, तो शहर अपनी प्राकृतिक शीतलन क्षमता खोने लगते हैं।

हरियाली का नुकसान गर्मी बढ़ाने का सबसे सीधा कारण है। पेड़ छाया प्रदान करने के साथ-साथ वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया के माध्यम से वातावरण को ठंडा करते हैं। लेकिन तेजी से फैलते शहरों में शहरी वन, पार्क, खुले मैदान और सड़क किनारे की हरियाली लगातार निर्माण के दबाव में आती है। किसी क्षेत्र में पेड़ों की जगह बहुमंजिला इमारतें और पार्किंग स्थल बना देना केवल दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्थानीय तापमान और सूक्ष्म जलवायु में भी बदलाव करता है।

इसी प्रकार अत्यधिक कंक्रीटीकरण शहरी गर्मी को बढ़ाता है। डामर की सड़कें, कंक्रीट के फुटपाथ, पार्किंग स्थल और अन्य अभेद्य सतहें सूर्य की ऊर्जा को अवशोषित करती हैं। इनके कारण वर्षा का पानी भी जमीन में कम पहुंचता है और प्राकृतिक नमी का संतुलन प्रभावित होता है। जहां मिट्टी, घास और पेड़ तापमान को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं, वहीं कंक्रीट और डामर गर्मी को संचित करने वाले विशाल भंडार की तरह काम करते हैं।

शहरों की बनावट भी तापमान को प्रभावित करती है। अत्यधिक घनी और अनियोजित इमारतें हवा के प्राकृतिक प्रवाह को रोक सकती हैं। यदि भवनों की ऊंचाई, दिशा और उनके बीच की दूरी का वैज्ञानिक तरीके से निर्धारण न किया जाए तो हवा के गलियारे बाधित होते हैं और गर्म हवा शहर में फंस सकती है। इसलिए शहरी नियोजन में केवल भूमि के अधिकतम उपयोग पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है; प्राकृतिक वेंटिलेशन को भी नियोजन का हिस्सा बनाना होगा।

जलाशयों और आर्द्रभूमियों का नुकसान भी गंभीर चिंता का विषय है। झीलें, तालाब, नदियां और आर्द्रभूमियां शहरों के प्राकृतिक शीतलन तंत्र का कार्य करती हैं। इनके आसपास का तापमान अपेक्षाकृत नियंत्रित रहता है। लेकिन अतिक्रमण, प्रदूषण और अनियोजित निर्माण के कारण अनेक शहरी जल निकाय सिकुड़ रहे हैं। जल निकायों को बचाना केवल बाढ़ नियंत्रण का उपाय नहीं, बल्कि गर्मी से मुकाबले की रणनीति भी है। भवन निर्माण की वर्तमान शैली भी गर्मी बढ़ा रही है। कांच से ढकी इमारतें, अपर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन, गलत दिशा में बने भवन तथा ऐसे निर्माण जिनमें स्थानीय जलवायु का ध्यान नहीं रखा जाता, अंदरूनी तापमान बढ़ा सकते हैं। परिणामस्वरूप वातानुकूलन पर निर्भरता बढ़ती है। एयर-कंडीशनर अंदर की गर्मी कम करते हैं, लेकिन बाहर अतिरिक्त ऊष्मा छोड़ते हैं और ऊर्जा की मांग बढ़ाते हैं। इसी प्रकार वाहनों और अन्य मानवीय गतिविधियों से निकलने वाली ऊष्मा भी शहरी तापमान में योगदान करती है। इस चुनौती का समाधान केवल अधिक एयर-कंडीशनर लगाना नहीं हो सकता। शहरों को गर्मी के अनुकूल बनाने के लिए नियोजन की पूरी सोच बदलनी होगी। सबसे पहले शहरी हरित क्षेत्र को विकास की बाधा मानने के बजाय शहरी अवसंरचना का आवश्यक हिस्सा समझना होगा। शहरी वनों, पार्कों, वृक्ष-पंक्तियों और हरित गलियारों का संरक्षण किया जाए। नए आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में न्यूनतम हरित क्षेत्र के स्पष्ट मानक लागू किए जाएं। दूसरा महत्वपूर्ण कदम नीली-हरी अवसंरचना का विस्तार है। झीलों, तालाबों, नालों और आर्द्रभूमियों को संरक्षित एवं पुनर्जीवित किया जाए। वर्षाजल संचयन, जैविक जल निकासी व्यवस्था, खुले जल क्षेत्र और हरित गलियारों को शहर की मूल योजना में शामिल किया जाना चाहिए। जल निकायों के आसपास अनियोजित निर्माण रोकना आवश्यक है।

भारत क़ी 7.1 प्रतिशत की विकास दर से दुनिया चौंकी, लोकतंत्र की सड़कों पर सियासी संग्राम !

दुनियाँ युद्ध के मुहाने पर, भारत विकास की उड़ान पर ! 7.1प्रतिशत की आर्थिक छलांग, चुनाव आयोग पर सियासी संग्राम और सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला ! भारत का शक्ति-परीक्षण ! - अर्थव्यवस्था ने जीता दुनियाँ का भरोसा, चुनाव आयोग पर विपक्ष का प्रहार और सुप्रीम कोर्ट ने बताई संविधान की असली राह ! नए भारत की असली लोकतांत्रिक खूबसूरती।

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर 21 वीं सदी के वैश्विक परिदृश्य में 6 अक्टूबर 2026 का दिन भारत के लिए केवल आर्थिक उपलब्धि या घरेलू राजनीतिक टकराव का दिन नहीं रहा, बल्कि यह दिन दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र की संस्थागत शक्ति, संवैधानिक परिपक्वता और न्यायिक संयम,तीनों को एक साथ परखने वाला दिन बन गया। एकओर पश्चिम एशिया सहित दुनियाँ के अनेक हिस्सों में युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव,ऊर्जा असुरक्षा औरआर्थिक अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं,वहीं भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर विश्व बैंक ने अपने ताजा आकलन में वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए विकास दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा क़ि विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की साउथ एशिया इकोनॉमिक अपडेट इसी दिन प्रकाशित हुई। दूसरी ओर,उसी दिन राजधानी दिल्ली में लगभग 140विपक्षी सांसदों और आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं ने संसद से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानेंएसआईआर को वापस लेने की मांग की।और इसी दिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूलों की प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना का दैनिक पाठ अनिवार्य करने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर न्यायिक संयम और नीति-निर्माण की सीमाओं पर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।इस प्रकार 6 अक्टूबर का भारत एक ऐसी तस्वीर प्रस्तुत करता है, जिसमें आर्थिक मजबूती के साथ राजनीतिक संघर्ष,लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बहस और संवैधानिक मूल्यों की न्यायिक व्याख्या एक ही राष्ट्रीय परिदृश्य में दिखाई देती है।

साथियों, भारत की आर्थिक कहानी आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विशेष महत्व रखती है। जब अनेक विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं युद्ध, ऊर्जा संकट, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान,महंगाई और भू- राजनीतिक तनाव से जूझ रही हैं,तब विश्व बैंक द्वारा भारत की विकास दर का अनुमान 7.1 प्रतिशत करना केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि वैश्विक निवेशकों और आर्थिक संस्थानों के लिए भारत की अंतर्निहित क्षमता पर भरोसे का संकेत है। अप्रैल 2026 में विश्व बैंक ने एफ़वाय 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत का अनुमान लगाया था; अक्टूबर में इसे बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत किया गया। मजबूत घरेलू मांग, उद्योग और सेवा क्षेत्र की गति तथा आर्थिक सुधारों की निरंतरता भारत की विकास कहानी के महत्वपूर्ण आधार बने हुए हैं। हालांकि कृषि और मानसून से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए 7.1 प्रतिशत का अनुमान भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाण जरूर है, लेकिन यह भी याद दिलाता है कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और भू-राजनीतिक संकटों से सुरक्षा के लिए आर्थिक नीतियों को लगातार गतिशील बनाए रखना होगा।

साथियों इसी आर्थिक उपलब्धि के समानांतर भारत के लोकतांत्रिक संस्थागत ढांचे को लेकर एक गंभीर राजनीतिक बहस भी सामने आई। 6 अक्टूबर को आईएनडीआईए गठबंधन के नेताओं और सांसदों ने संसद भवन से निर्वाचन आयोग की ओर मार्च किया। विपक्ष की प्रमुख मांग मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और एसआईआर प्रक्रिया को वापस लेने की रही। रिपोर्टों के अनुसार लगभग 140 विपक्षी सांसद इस विरोध में शामिल हुए।राहुल गांधी,प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिलेश यादव सहित कई प्रमुख विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने इस प्रदर्शन को राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श का केंद्र बना दिया। पुलिस ने मार्च को निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक पहुंचने से पहले रोक दिया और कई नेताओं को हिरासत में लिया गया।विपक्ष एसआइआर के माध्यम से मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठा रहा है, जबकि निर्वाचन आयोग और सत्तापक्ष इन आरोपों को खारिज करते हुए प्रक्रिया को मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन करने की कवायद के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बात में निहित है कि संस्थाओं पर उठने वाले सवालों का समाधान आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, दस्तावेजी प्रमाण, संवैधानिक प्रक्रिया और जनता के विश्वास के सटिका से माध्यम से हो। साथियों यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्वाचन आयोग भारत के लोकतांत्रिक ढांचे का एक केंद्रीय संवैधानिक संस्थान है।चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे नागरिकों के सार्वभौमिक मताधिकार और सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण की आधारशिला होते हैं इसलिए यदि राजनीतिक दल निर्वाचन प्रक्रिया कीनिष्पक्षता पर प्रश्न उठाते हैं, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए संस्थागत पारदर्शिता और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण दोनों आवश्यक हो जाते हैं। दूसरी ओर, राजनीतिक विरोध और संस्थागत आलोचना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है,लेकिन किसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता का अंतिम मूल्यांकन स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं, प्रमाणों और संवैधानिक प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए। यही वह संतुलन है जो भारत के लोकतंत्र को वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशिष्ट बनाता है।

साथियों, इसी व्यापक लोकतांत्रिक विमर्श के बीच 6 अक्टूबर को सर्वोच्चन्यायालय का स्कूलों में संविधान की प्रस्तावना के अनिवार्य पाठ से जुड़ा फैसला विशेष महत्व रखता है।माननीय तीन सदस्यीय पीठ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के राजधानी कॉलेज के सहायक प्रोफेसर द्वारा दायर जनहित याचिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। याचिका में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय औरसीबीएसई को ऐसी राष्ट्रव्यापी नीति बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसके तहत स्कूलों की सुबह की प्रार्थना सभा में संविधान की प्रस्तावना का नियमित पाठ कराया जाए। याचिकाकर्ता ने राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक में ऐसे प्रयासों का उल्लेख करते हुए अनुच्छेद 21ए तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिक चेतना विकसित करने की आवश्यकता का तर्क दिया था।

साथियों,सर्वोच्च न्यायालय ने इस मांग को यह कहते हुए स्वीकार नहीं किया कि संविधान की प्रस्तावना पहले से ही स्कूलों के पाठ्यक्रम का हिस्सा है और विद्यार्थियों को कक्षा 6 से इसके बारे में पढ़ाया जाता है।यही इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संदेश है,न्यायालय ने प्रस्तावना या संवैधानिक मूल्यों के महत्व को कम नहीं किया,बल्कि यह संकेत दिया कि शिक्षा की विषयवस्तु और उसके संचालन की पद्धति निर्धारित करना मुख्यतः सरकार और विशेषज्ञ शैक्षणिक संस्थाओं का क्षेत्र है। यदि संविधान पहले से ही पाठ्यक्रम में पढ़ाया जा रहा है, तो न्यायपालिका द्वारा किसी विशेष दैनिक अनुष्ठान को अनिवार्य बनाने का आदेश देना नीति-निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश का प्रश्न खड़ा कर सकता है।यह दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय संवैधानिक इतिहास से भी जुड़ता है। अमेरिका में 1943 का वेस्ट वर्जिनिआ स्टेट बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन वर्सेस बारनेट मामला इस सिद्धांत का महत्वपूर्ण उदाहरण है, जिसमें अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने विद्यार्थियों को राष्ट्रध्वज को सलामी देने और प्रतिज्ञा दोहराने के लिए बाध्य करने की व्यवस्था को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संदर्भ में असंवैधानिक माना था। भारत में भी 1986 का बिजोए एम्मानुल वेर्सेस. स्टेट ऑफ़ केरला फैसला महत्वपूर्ण है,जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रगान के दौरान सम्मान पूर्वक खड़े रहने वाले, लेकिन अपनी धार्मिक मान्यता के कारण उसे न गाने वाले विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा की थी। इन दोनों उदाहरणों से यह व्यापक संवैधानिक सिद्धांत उभरता है कि देशभक्ति, संवैधानिक निष्ठा और नागरिक चेतना का वास्तविक मूल्य तभी है,जब उनमें समझ, स्वीकृति और स्वतंत्र चेतना का तत्व मौजूद हो।

साथियों,भारत के 2026 के प्रस्तावना संबंधी फैसले को इसी दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह न्यायिक सक्रियता के बजाय न्यायिक संयम का उदाहरण दिखाई देता है।अदालत ने यह नहीं कहा कि प्रस्तावना महत्वपूर्ण नहीं है; बल्कि उसने यह माना कि संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा, संवाद और समझ है। सुबह की सभा में सामूहिक पाठ एक प्रतीकात्मक गतिविधि हो सकता है, लेकिन संविधान की वास्तविक आत्मा विद्यार्थियों को न्याय, स्वतंत्रता समानता और बंधुता के अर्थ समझाने से विकसित होगी। संविधान केवल प्रतिदिन दोहराए जाने वाले शब्दों का समूह नहीं, बल्कि नागरिकों और राज्य के बीच विश्वास, अधिकार और कर्तव्यों का सटीकता से जीवंत सामाजिक अनुबंध है।इन तीनों घटनाओं, विश्व बैंक द्वारा विकास अनुमान में वृद्धि, आईएनडीआईए गठबंधन का निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन और सर्वोच्च न्यायालय का प्रस्तावना पाठ संबंधी निर्णय, को एक साथ देखने पर भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आती है। आर्थिक शक्ति किसी देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, लेकिन आर्थिक मजबूती को स्थायी वैश्विक प्रभाव में बदलने के लिए संस्थागत विश्वसनीयता भी उतनी ही आवश्यक है। दुनिया भारत को केवल एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे लोकतंत्र के रूप में भी देखती है जहाँ सरकार,विपक्ष, निर्वाचन आयोग और न्याय पालिका के बीच शक्तियों का संवैधानिक संतुलन कायम रहना आवश्यक है।

साथियों, आज जब दुनियाँ के अनेक हिस्सों में युद्ध की आशंका,राजनीतिक ध्रुवीकरण और संस्थागत संकट दिखाई दे रहे हैं,भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल सात प्रतिशत से अधिक आर्थिक विकास बनाए रखने की नहीं है। चुनौती यह भी है कि आर्थिक विकास के साथ लोकतांत्रिक विश्वास, चुनावी पारदर्शिता, न्यायिक स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा समान गति से आगे बढ़े।विश्व बैंक का 7.1 प्रतिशत अनुमान भारत की आर्थिक क्षमता का उत्साहजनक संकेत है,लेकिन निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर उठे प्रश्न और न्यायपालिका के संयमपूर्ण फैसले यह भी याद दिलाते हैं कि किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल सकल घरेलू उत्पाद में नहीं मापी जाती।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 6 अक्टूबर 2026 का भारत दुनिया को एक बहुआयामी संदेश देता है, अर्थव्यवस्था में आत्मविश्वास, लोकतंत्र में बहस और न्यायपालिका में संयम। यही तीनों मिलकर किसी आधुनिक राष्ट्र की वैश्विक प्रतिष्ठा को स्थायी बनाते हैं। भारत की आर्थिक गति यदि निवेश और रोजगार को मजबूत करती है,लोकतांत्रिक संस्थाएं यदि जनता के विश्वास को बनाए रखती हैं और न्यायपालिका यदि संविधान की रक्षा करते हुए नीति-निर्माण की उचित सीमाओं का सम्मान करती है, तो भारत की वैश्विक साख केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसकी संस्थागत परिपक्वता से भी मजबूत होगी।युद्ध और अनिश्चितता से घिरी दुनिया में यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है,विकास की गति के साथ लोकतंत्र की गहराई और संविधान की गरिमा।

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

इतनी शोहरत और नेशनल अवॉर्ड्स जीतने के बाद भी आप अक्सर कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अच्छी हिंदी आती तो मैं बहुत अच्छा एक्टर बन जाता... मुझे गुस्सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अच्छा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जज्बा है। यही जज्बा आपको सबसे अलग और एक नायाब शख्सियत बनाता था। विश्वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पाटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते।

दिलीप कुमार पाठक

किताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार बने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदाकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अदाकार का खिताब दिया, लेकिन आप अपनी आख़िरी सांस तक वही ठेठ गाँव के सीधे-सादे इंसान ही रहे। अपनी ही मस्ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफ़िर। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी। आपकी वो सादगी और बेलौस अंदाज़ ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका रूतबा। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ़ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय ढर्रा या बंदिश नहीं थी, न किसी दल में न दलदल में। आपकी तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी - प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार इंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक खरे इंसान के रूप में याद किया जाएगा। सचमुच आप सिनेमा के कबीर थे।

निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने की ललक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो जिंदगी के कड़वे तजुर्बों की भट्टी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहतरीन फिल्मों से गुज़रते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे।

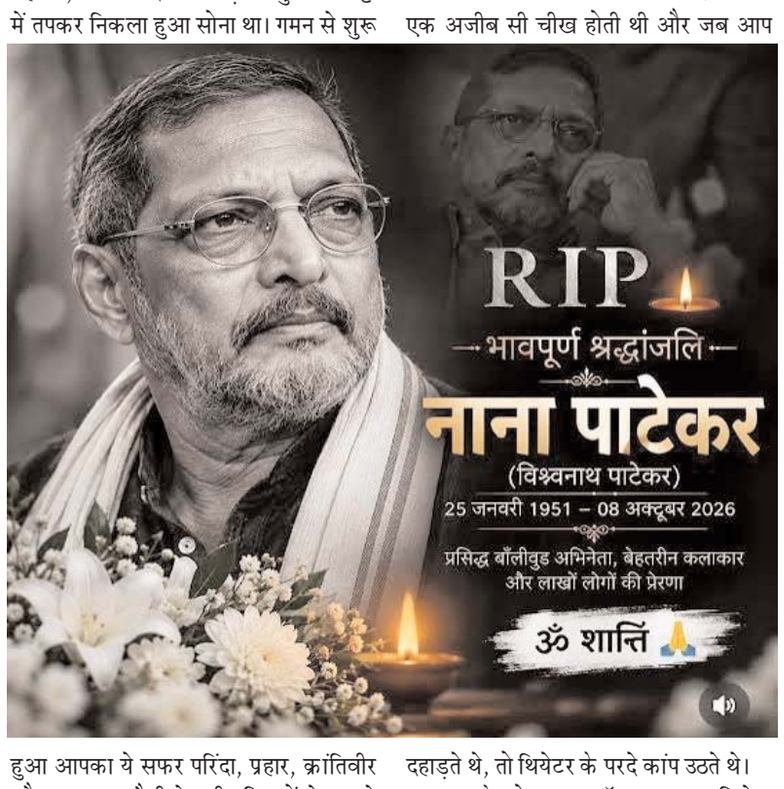

आपके वो कड़क डॉयलाग महज़ सिनेमा की लाइनें नहीं थे, वे इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आम आदमी इस खोखले सिस्टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसें काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा...? तब मजहब की झूठी दीवारें एक झटके में ढह गई थीं। उन संवादों में कोई बनावटी शब्द नहीं थे, उसमें आम आदमी का लहू बोलता था। उस आवाज़ में एक अजीब सा जादू था, जो धमकी भी लगती थी, हंसी भी और सबसे बढ़कर–एक सच्चा कबूलनामा भी।

आपकी इसी बेलौस फितरत का एक वाकया पूरी दुनिया को हमेशा याद रहेगा। जब सरकार की तरफ से आपको देश के बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री देने का एलान हुआ, तो आपकी बेबाकी वहां भी सिर चढ़कर बोली। आपने बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे पूछ लिया था, ये अवॉर्ड आखिर किस लिए दिया जा रहा है मुझे? वहां से जवाब आया कि आपने कला के जरिए समाज की बहुत सेवा की है, देश का नाम रोशन किया है। इस पर आपने जो जवाब दिया, उसने सबकी बोलती बंद कर दी थी।आपने मुस्कुराकर कहा था, अजी छोड़ो यार, ये कैसा सम्मान? मैंने जो भी काम किया, उसके बदले प्रोड्यूसर से पूरे पैसे वसूल किए हैं... जब काम के बदले दाम ले लिया, तो फिर ये समाजसेवा कैसी और ये सम्मान क्यों? ऐसी खरी और सच्ची बात कहना सिर्फ और सिर्फ आपके ही बस की बात थी।

खेत से खुद उगा कर खाना और मुंबई से कमाकर लाना और किसानों की मदद में लुटा देना। यार नाना, ये दिलदारी सिर्फ आपको ही आती थी। करोड़ों की गाड़ियाँ खरीदने की बजाय अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप तंगहाल किसानों की झोली में डाल देना, नाम फाउंडेशन बनाकर महाराष्ट्र के सूखे खेतों में ज़िंदगी की नई उम्मीद बोना। ये काम कोई मामूली एक्टर नहीं, सिर्फ एक रूहानी इंसान ही कर सकता था। आप हमेशा ज़मीन से जुड़े रहे, मुंबई की चकाचौंध के बीच रहकर भी अपनी फकीरी का दामन थामे रखा। आज रंगमंच का वो काबिले-तारीफ सितारा सच में टूट गया है। आप इस फ़ानी दुनिया को अलविदा कहकर, उस पार के एक नए मंच की ओर निकल गए हैं। मौत का तमाशा देखने आई इस दुनिया को अपनी बेबाकी से निरुत्तर करके आप जा चुके हैं।यार नाना, आपकी ये बेलौस ईमानदारी, वो बेढंगा लेकिन खूबसूरत अंदाज़ बहुत याद आएगा। अलविदा नाना।

जनकपुर में सजा सेवा का सेतु, 128 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में एक मंच पर जुटे विभाग, ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी और सीधा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड भरतपुर के इंद्रप्रस्थ स्टेडियम जनकपुर में विशेष सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ग्रामीणों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ और आवश्यक सामग्री प्रदान की गई कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष कौशल पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, एसडीएम शशिशेखर मिश्रा, जनपद सीईओ अजय राठौर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ। अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर ग्रामीणों को दी

जा रही सेवाओं की जानकारी ली शासन-जनता के बीच विश्वास का सेतु है शिविर एसडीएम शशिशेखर मिश्रा ने कहा कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य केवल योजनाओं की जानकारी देना नहीं, बल्कि पात्र लोगों को आवेदन से लेकर लाभ प्राप्त करने तक सहयोग उपलब्ध कराना है जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने कहा कि ऐसे शिविरों से शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिलती है नगर पंचायत अध्यक्ष कौशल पटेल और जनपद अध्यक्ष माया प्रताप सिंह ने भी ग्रामीणों से योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रता के अनुसार लाभ लेने की अपील की128 हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से कुल 128 हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिया गया। कृषि महिला एवं बाल विकास, खाद्य स्वास्थ्य उद्यानिकी, पशुधन मत्स्य श्रम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विद्युत, समाज कल्याण राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास क्रेडा, नगरीय प्रशासन आयुष, आईटीआई तथा एसबीआई सहित विभागों के हितग्राहियों को लाभ और आवश्यक सामग्री प्रदान की गई खिलौना-वस्त्र दान अभियान शुरू जरूरतमंद बच्चों और परिवारों तक सहयोग पहुंचाने के लिए खिलौना एवं वस्त्र दान अभियान का शुभारंभ किया गया दान सामग्री एकत्र करने वाले वाहन को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया नुक्कड़ नाटक से जागरूकता, नशामुक्ति की शपथ विद्यालयीन विद्यार्थियों ने साइबर अपराध, स्वच्छता जल संरक्षण और सड़क सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जागरूक किया जिला पंचायत अध्यक्ष ने उपस्थित लोगों को नशामुक्त समाज बनाने की शपथ भी दिलाई कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी जनपद सदस्य सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मनमती का पक्के घर का सपना हुआ पूरा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चनवारीडांड निवासी मनमती की कहानी सामने आई है, जिनका पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से पूरा हुआ मनमती को वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए की शासकीय सहायता मिली इस राशि से उन्होंने पक्के आवास का निर्माण कराया घर को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए मनमती ने अपनी ओर से भी राशि लगाई और परिवार के लिए सुरक्षित आशियाना तैयार किया मनमती ने बताया कि पक्का घर उनके परिवार की बड़ी जरूरत थी योजना से मिली आर्थिक सहायता ने उनके इस सपने को पूरा करने का रास्ता आसान किया। उन्होंने कहा कि अब परिवार को पक्की छत के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक रहने का स्थान मिल गया है सुरक्षित आवास से बढ़ा परिवार का भरोसा पक्का आवास मिलने के बाद मनमती के परिवार के जीवन में सुरक्षा और स्थायित्व की भावना मजबूत हुई है पहले जहां पक्के घर का निर्माण करना उनके लिए मुश्किल था वहीं अब उनका अपना बेहतर आशियाना तैयार है घर ने परिवार के रहन-सहन को सुविधाजनक बनाने के साथ भविष्य के प्रति भरोसा भी बढ़ाया है सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जिले में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां सामने लाई जा रही हैं मनमती की कहानी भी इस बात को दर्शाती है कि शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचने पर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला सहयोग और मनमती के स्वयं के प्रयास से बना यह घर उनके परिवार के लिए सुरक्षित भविष्य की नई शुरुआत बन गया है।

परसगढ़ी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में गूंजा सुपोषण और स्वच्छता का संदेश

न्योता भोज, अन्नदान महादान और सुपोषण गतिविधियों के साथ माताओं एवं बच्चों को किया गया लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 6 अक्टूबर को सेक्टर मनेन्द्रगढ़ ग्रामीण के ग्राम पंचायत परसगढ़ी में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरपंच बुद्धू सिंह की उपस्थिति में बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं कार्यक्रम का उद्देश्य पोषण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं जनभागीदारी के माध्यम से माताओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा कार्यक्रम के दौरान 30 बच्चों को न्योता भोज कराया गया इसी क्रम में अन्न दान महादान पहल के अंतर्गत 50 गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को पौष्टिक भोजन कराया गया

माताओं और बच्चों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 10 सुपोषण टोकरी का वितरण किया गया साथ ही सुपोषण थाली का प्रदर्शन कर संतुलित एवं पौष्टिक आहार में शामिल किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की जानकारी दी गई हितग्राहियों से संवाद और सम्मान कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मुख्यमंत्री मातृत्व योजना के हितग्राहियों से संवाद किया गया हितग्राहियों ने योजनाओं से मिले लाभ एवं अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान हितग्राहियों का सम्मान भी किया गया तथा पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गई प्रतियोगिताओं ने बढ़ाया उत्साह आंगन मिलन कार्यक्रम में व्यंजन प्रतियोगिता के साथ एक मिनट प्रतियोगिता एवं कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं एवं उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया इन गतिविधियों ने कार्यक्रम को मनोरंजक बनाने के साथ सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया सेवाभावी कार्यकर्ताओं का सम्मान कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पोषण और जागरूकता के लिए कार्य कर रहीं मितानिनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान किया गया उनके योगदान की सराहना करते हुए ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को प्रभावी बनाने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

मनेन्द्रगढ़ में 9-10 अक्टूबर को सजेगा सरगुजा ओलंपिक का खेल मंच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सरगुजा ओलंपिक 2026-27 के तहत मनेन्द्रगढ़ विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं 9 एवं 10 अक्टूबर को आयोजित की जाएंगी खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के प्रतिभावान खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे मुकाबले सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी, वसुंधरा हॉल नई लेदरी, अंबेडकर भवन झगराखांड और दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेन्द्रगढ़ में होंगे प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, तीरंदाजी बैडमिंटन फुटबॉल, कराते कबड्डी खो-खो, वॉलीबॉल बास्केटबॉल और रस्साकशी शामिल हैं 9 अक्टूबर को एथलेटिक्स व खो-खो सद्भावना स्टेडियम बैडमिंटन वसुंधरा हॉल, कबड्डी अंबेडकर भवन तथा वॉलीबॉल-तीरंदाजी दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में होगी 10 अक्टूबर को फुटबॉल व रस्साकशी सद्भावना स्टेडियम तथा बास्केटबॉल दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में आयोजित होगी प्रतियोगिता में प्रत्येक खिलाड़ी एक एकल और एक सामूहिक खेल में भाग ले सकेगा ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है खिलाड़ियों को उपस्थिति के समय आधार कार्ड और बैंक पासबुक की छायाप्रति साथ लानी होगी विभाग ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की है।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक: प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली इंदु देवी की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चनवारीडांड निवासी इंदुदेवी की कहानी भी सामने आई है जिनका पक्के घर का सपना प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के माध्यम से पूरा हुआ इंदुदेवी को वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास निर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार की शासकीय सहायता प्राप्त हुई योजना से मिली सहायता से उन्होंने अपने पक्के आवास का निर्माण कराया घर को बेहतर रूप देने के लिए इंदुदेवी ने अपनी ओर से भी कुछ राशि लगाई और एक अच्छा एवं सुविधाजनक घर तैयार कराया इंदुदेवी बताती हैं कि पक्का घर उनके परिवार की बड़ी जरूरत थी योजना के माध्यम से मिली सहायता से उनके लिए इस सपने को पूरा करना संभव हो सका उन्होंने कहा सरकार से आवास बनाने के लिए राशि मिली मैंने भी अपनी ओर से कुछ राशि मिलाई और एक अच्छा घर बनवा लिया अब परिवार को सुरक्षित और पक्की छत मिल गई है पक्का आवास मिलने के बाद इंदु देवी के परिवार को रहने के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिला है पहले जहां पक्के घर का सपना पूरा करना मुश्किल था वहीं अब उनका अपना बेहतर आशियाना है आवास ने परिवार के जीवन में सुरक्षा और स्थायित्व की भावना को मजबूत किया है सेवा संकल्प अभियान 2026 के माध्यम से जिले में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं से लाभान्वित लोगों की ऐसी कहानियों को सामने लाया जा रहा है इन कहानियों के माध्यम से यह बताया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ मिलने से आम लोगों के जीवन में किस तरह सकारात्मक बदलाव आ रहा है इंदु देवी की कहानी भी इसी बदलाव की एक तस्वीर है प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत मिली शासकीय सहायता और उनके स्वयं के प्रयास से तैयार हुआ पक्का घर उनके परिवार के लिए सुरक्षित भविष्य की नई शुरुआत बना है सेवा संकल्प अभियान में सामने आई यह कहानी ग्रामीण परिवारों तक शासन की योजनाओं की पहुंच और उनके प्रभाव को दर्शाती है।

सरगुजा ओलंपिक के लिए एमसीबी में खेल मैदान तैयार

9 से 13 अक्टूबर तक ब्लॉक स्तरीय मुकाबले, 23-24 अक्टूबर को नई लेदरी में जिला स्तरीय स्पर्धाएं

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सरगुजा ओलंपिक 2026-27 के तहत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ब्लॉक एवं जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं की तिथियां घोषित कर दी गई हैं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के आयोजन में जिले के जूनियर और सीनियर वर्ग के खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे सरगुजा ओलंपिक में एथलेटिक्स तीरंदाजी बैडमिंटन फुटबॉल कराते कबड्डी खो-खो वॉलीबॉल बास्केटबॉल हॉकी कुश्ती और रस्साकशी सहित 12 खेल शामिल किए गए हैं हॉकी और कुश्ती की प्रतियोगिताएं जिला स्तर पर होंगी, जबकि रस्साकशी सीनियर महिला वर्ग में प्रदर्शनात्मक खेल के रूप में आयोजित की जाएगी ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताएं मनेन्द्रगढ़ विकासखंड की प्रतियोगिताएं 9 और 10 अक्टूबर को सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी में होंगी जनकपुर में 12 और 13 अक्टूबर को इंद्रप्रस्थ स्टेडियम तथा खड़गवां में इन्हीं तिथियों पर मिनी स्टेडियम में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे 23-24 अक्टूबर को जिला स्तरीय मुकाबले ब्लॉक स्तर से चयनित खिलाड़ी 23 और 24 अक्टूबर को सद्भावना स्टेडियम नई लेदरी में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे जूनियर वर्ग में 14 से 17 वर्ष के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे जबकि सीनियर वर्ग में आयु सीमा नहीं है प्रत्येक खिलाड़ी एक एकल और एक सामूहिक खेल में भाग ले सकेगा।

शिवपुरी में 1450 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई

950 बिना हेलमेट और 500 बिना सीट बेल्ट वाहन चालकों पर पुलिस ने की कार्रवाई, जागरूकता रैली निकालकर यातायात नियमों का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शिवपुरी पुलिस द्वारा हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 1450 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है इनमें 950 वाहन चालक बिना हेलमेट और 500 चालक बिना सीट बेल्ट वाहन चलाते पाए गए एसपी ने दिखाई जागरूकता रैली को हरी झंडी बुधवार को शिवपुरी पुलिस ने शहर में हेलमेट जागरूकता रैली निकाली पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने एसपी कार्यालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना

किया रैली कोर्ट रोड, माधव चौक, ग्वालियर बायपास झांसी तिराहा, गुरुद्वारा और राजेश्वरी रोड से होते हुए वापस एसपी कार्यालय पहुंची रैली के दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। दोपहिया वाहन चालकों से अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने की अपील की गई नियम तोड़ने वालों पर जारी रहेगी कार्रवाई यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव ने बताया कि अभियान के दौरान अब तक 950 बिना हेलमेट और 500 बिना सीट बेल्ट वाहन चालकों पर चालान की कार्रवाई की जा चुकी है पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग सड़क हादसों के दौरान गंभीर चोट के जोखिम को कम करने में मदद करता है पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सके।

पेट्रोल पंप मालिक के घर चोरी, 2 लाख नकद और सोने के जेवर ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। देहात थाना क्षेत्र के ग्राम निटाया में गुरुवार रात चोरों ने पेट्रोल पंप मालिक के घर को निशाना बनाया चोर अलमारी में रखे 2 लाख रुपए नकद और सोने के पुराने जेवर चोरी कर ले गए। वारदात के बाद आरोपियों ने मकान का दरवाजा बाहर से गमछे से बांध दिया और फरार हो गए सुबह दरवाजा नहीं खुला तो बेटे को बुलाया फरियादी जीलगम रवि प्रसाद के अनुसार वह रात में परिवार के साथ घर में सो रहे थे सुबह करीब 4:30 बजे नींद खुलने पर उन्होंने बाहर निकलने के लिए दरवाजा खोलने का प्रयास किया लेकिन दरवाजा बाहर से बंद था इसके बाद उन्होंने पहली मंजिल पर सो रहे बेटे को फोन कर बुलाया जांच करने पर पता चला कि चोरों ने दरवाजे को बाहर से गमछे से बांध रखा था दरवाजा खुलने के बाद परिवार ने घर के कमरों की जांच की एक कमरे में रखी अलमारी का सामान बिखरा मिला अलमारी से 2 लाख रुपए नकद के साथ सोने के बैंगल, चेन और कान के बाले गायब मिले रवि प्रसाद ने बताया कि यह नकदी पेट्रोल पंप से लाकर घर में रखी गई थी पुलिस ने शुरू की जांच घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई सूचना मिलने पर एएसआई अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे इसके बाद फरियादी ने देहात थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश की जा रही है 10 दिन पहले मंदिर में भी हुई थी वारदात देहात थाना क्षेत्र में करीब 10 दिन पहले ग्राम जासलपुर के खेड़ापति मंदिर में भी चोरी हुई थी आरोप है कि चोरों ने चौकीदार को बांधकर मारपीट की और मंदिर से नकली आभूषण चोरी कर ले गए थे इस मामले में भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है हरदा बायपास क्षेत्र की कॉलोनियों में भी चोरी की शिकायतें सामने आती रही हैं।

सेवा सेतु शिविर में स्वच्छता प्रहरियों का बढ़ा उत्साह जोश टीम को मिली स्वच्छता किट, सेवा संकल्प अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्यों को मिला प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत जनपद पंचायत भरतपुर में आयोजित सेवा सेतु शिविर में स्वच्छता एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय स्वच्छाग्राहियों और स्वच्छता प्रहरियों की टीम जोश को सम्मानित करते हुए स्वच्छता किट का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता कार्यों से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ाने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी को मजबूत करना रहा शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह सहित अन्य अतिथियों ने स्वच्छता प्रहरियों को स्वच्छता किट प्रदान की। अतिथियों ने गांवों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ

रखने तथा आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए स्वच्छता प्रहरियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की स्वच्छता के लिए जनभागीदारी जरूरी कार्यक्रम में स्वच्छता प्रहरियों ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता जरूरी है उन्होंने कहा कि लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने और अपने आसपास सफाई बनाए रखने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है स्वच्छता प्रहरियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के साथ सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। टीम के सदस्यों द्वारा लोगों को स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है किट मिलने से बढ़ा उत्साह स्वच्छता किट प्राप्त होने के बाद जोश टीम के सदस्यों में उत्साह नजर आया स्वच्छाग्राहियों एवं स्वच्छता प्रहरियों ने स्वच्छता अभियान को और प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सम्मान और प्रोत्साहन से स्वच्छता कार्यों के प्रति जिम्मेदारी और बढ़ती है सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी पर जोर सेवा सेतु शिविर के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ स्वच्छता जनसेवा और जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है अभियान के तहत स्वच्छता के क्षेत्र में सक्रिय लोगों को प्रोत्साहित करने से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में मदद मिल रही है आयोजकों ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है जोश टीम को मिला सम्मान इसी सामूहिक सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में 3 बाड़ों से 315 लीटर शराब जब्त

600 लीटर लहान नष्ट किया, पुलिस के पहुंचने से पहले 3 आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के चैनपुर थाना क्षेत्र के पाडल्या गांव में बुधवार देर शाम पुलिस ने पशु और चारा के तीन बाड़ों से 315 लीटर अवैध लिमड़ी शराब जब्त की। शराब प्लास्टिक के केन और ड्रम में छिपाकर रखी गई थी। घना अंधेरा होने के कारण पुलिस ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर बाड़ों में तलाशी ली। पुलिस के पहुंचने से पहले ही तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। जब्त शराब और महुआ लहान की कीमत करीब 50 हजार रुपए आंकी गई है। तीन बाड़ों से मिली शराब थाना प्रभारी गणपत कनेल ने बताया कि अवैध शराब के संग्रहण और बिक्री की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। विकास मंडलोई के घर के पास बकरी के बाड़े से 105 लीटर, अविनाश वास्कले के घर के पास चारा रखने के बाड़े से 90 लीटर और प्रेमसिंह वास्कले के बाड़े से 120 लीटर शराब बरामद हुई। 600 लीटर महुआ लहान भी मिला पुलिस को तीनों स्थानों से करीब 600 लीटर महुआ लहान भी मिला। इसका सैंपल लेने के बाद लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने जब्त शराब को कब्जे में लेकर तीनों आरोपियों के खिलाफ चैनपुर थाने में आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मंदसौर में नशीले पदार्थों के साथ 60 वर्षीय महिला गिरफ्तार

4 लाख से अधिक का माल जब्त, एक अन्य आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। मंदसौर जिले की भानपुरा पुलिस ने 60 साल की एक महिला को एमडी ड्रग्स और डोडाचूरा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त नशीले पदार्थों की कुल कीमत 4 लाख 6 हजार 200 रुपये है जिसका खुलासा बुधवार शाम पुलिस ने किया। थाना प्रभारी विनय बुन्देला को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भैंसोदा गांव के मालीपुरा बायपास तिराहे पर अवैध नशीले पदार्थ लाए जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर महिला को रोका और तलाशी ली। तलाशी में सुवासरा निवासी कमलाबाई (60) के पास से 200 ग्राम एमडी ड्रग्स (कीमत 4 लाख रुपये) और विमल के थैले में छिपा 3 किलो 100 ग्राम डोडाचूरा (कीमत 6,200 रुपये) मिला। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कमलाबाई को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त किया। इस मामले में एक अन्य महिला कैलाशी बाई उर्फ कैलीबाई फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

सेवा संकल्प अभियान

'वोकल फॉर लोकल' सत्र आयोजित – युवाओं ने गांधी जी के विचारों को वर्तमान जीवन से जोड़ा

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई विदिशा में वोकल फॉर लोकल विषय पर विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया। सत्र में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की रिसोर्स पर्सन सुश्री अनुकृति श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टॉफ के साथ गांधी जी के विचारों को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों से जोड़ते हुए परिचर्चा की गई। परिचर्चा के दौरान सच बोलने, अपनी गलतियों को स्वीकार करने, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली हिंसा तथा अनावश्यक उपभोग की प्रवृत्ति जैसे विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों ने अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। महंगी एवं आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपभोग की आदत को लेकर प्रशिक्षणार्थियों ने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से संवाद किया तथा यह विचार रखा कि आवश्यकतानुसार एवं जिम्मेदारी के साथ उपभोग की आदत समाज और पर्यावरण दोनों के लिए बेहतर है। सत्र में वोकल फॉर लोकल, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भरता एवं जैविक खेती जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षणार्थियों ने स्थानीय संसाधनों और उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए।

नर्मदापुरम में शराब पीकर स्कूल आने वाला शिक्षक निलंबित: मेडिकल रिपोर्ट में नशे की पुष्टि, महिला टीचर्स से की थी अभद्रता

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक के कालाआखर में शराब के नशे में स्कूल पहुंचने वाले माध्यमिक शिक्षक कल्याण सिंह अहिरवार को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निलंबन आदेश जारी किया है। मेडिकल जांच में शिक्षक के नशे में होने की पुष्टि हुई थी।

शिक्षक पर स्कूल में महिला शिक्षिकाओं से अभद्रता करने का भी आरोप है। मामले की जांच के बाद कलेक्टर ने शिक्षक को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए कार्रवाई की है।

6 अक्टूबर को नशे में स्कूल पहुंचे थे: मामला 6 अक्टूबर 2026 का है। शासकीय एकीकृत बालक माध्यमिक शाला कालाआखर में शिक्षक कल्याण सिंह अहिरवार शराब के नशे में स्कूल पहुंचे थे। उनके साथ एक ग्रामीण भी आया था। आरोप है कि उसने आते ही सहायक शिक्षिका जयंती कुमरे समेत अन्य शिक्षिकाओं के साथ अभद्रता शुरू कर दी। दोपहर करीब 2:30 बजे वह स्कूल से चला गया, लेकिन करीब 3 बजे दोबारा लौट आया और फिर विवाद की स्थिति बन गई। स्कूल स्टाफ के मुताबिक, वह पहले भी इस तरह का माहौल बना चुका है। मामले की सूचना स्कूल स्टाफ ने बीईओ केसला और केसला थाने को दी। बीईओ के निर्देश पर शासकीय सांदीपनि उमावि सुखतवा के प्रभारी प्राचार्य प्रदीप सिंह राजपूत जांच के लिए मौके पर पहुंचे।

● पुलिस ने कराया मेडिकल, नशे की पुष्टि

पुलिस मौके पर पहुंची और शिक्षक कल्याण सिंह अहिरवार को क्लासरूम से बाहर निकाला। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुखतवा में उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में शिक्षक के नशे में होने की पुष्टि हुई। प्रभारी प्राचार्य ने जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मेडिकल रिपोर्ट और जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शिक्षक को प्रथम दृष्टया दोषी माना।

● निलंबन अवधि में मिलेगा जीवन निर्वाह भत्ता

कलेक्टर ने शिक्षक को सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम (1)(2)(3) और 1966 के नियम (9) के तहत निलंबित किया है। निलंबन अवधि में शिक्षक को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

सागर में 30 ग्राम हेरोइन के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

राजस्थान के झालावाड़ से स्मैक लाकर देवरी में खपा रहे थे, सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की देवरी थाना पुलिस ने 30 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से 15-15 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपियों ने इसे राजस्थान के झालावाड़ जिले से लाकर देवरी में खपाने की बात बताई है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि देवरी क्षेत्र में रहली रोड स्थित रेज ऑफिस के मैदान के सामने आकाश बंसल की गुमटी, झुनकू देवरी के पास दो संदिग्ध मौजूद हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया।

15-15 ग्राम स्मैक बरामद: तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 15-15 ग्राम स्मैक (हेरोइन), कुल 30 ग्राम बरामद हुई। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। आरोपियों की पहचान दिनेश पिता ओमकार साहू (36), निवासी कोशकिया कॉलोनी और छोटू उर्फ तिलक पिता विजय यादव (29), निवासी झुनकू वार्ड, देवरी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे राजस्थान के झालावाड़ जिले के घाटोली-दुर्जनपुर क्षेत्र से स्मैक लेकर देवरी आए थे। प्रारंभिक पूछताछ में झालावाड़ से मादक पदार्थ की सप्लाई होने और देवरी समेत आसपास के क्षेत्रों में खपाए जाने की जानकारी मिली है।

झालावाड़, इकलेरा और भोजपुर क्षेत्र से सप्लाई के सुराग: पुलिस के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ में मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और स्थानों के बारे में सुराग मिले हैं। प्रारंभिक जानकारी में झालावाड़ के घाटोली क्षेत्र, इकलेरा और राजगढ़ जिले के भोजपुर क्षेत्र के आसपास के गांवों से मादक पदार्थ की सप्लाई होने की बात सामने आई है। पुलिस टीम सप्लाई नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए मादक पदार्थ पहुंचाने और स्थानीय स्तर पर खपाने वाले अन्य लोगों की पहचान कर रही है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट में केस: देवरी थाना प्रभारी कपिल लक्षाकार ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में मादक पदार्थ की सप्लाई से जुड़े अन्य व्यक्तियों के बारे में जानकारी मिली है। इसी आधार पर मामले में आगे की जांच की जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'कैरियर काउंसलिंग कौशल एवं वोकल फॉर लोकल' कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय कन्या महाविद्यालय, सिवनी मालवा में 'कैरियर काउंसलिंग कौशल एवं वोकल फॉर लोकल 'विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रमका उद्देश्य छात्राओं को कैरियर के विभिन्न अवसरों, स्थानीय उत्पादों तथा उनसे जुड़े रोजगार संभावनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में छात्राओं को कैरियर मार्गदर्शन, स्थानीय उत्पादों की उपयोगिता, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं द्वारा छात्राओं को अपनी रुचि एवं कौशल के अनुरूप कैरियर का चयन करने तथा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा कैरियर एवं स्थानीय उत्पादों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

सेवा मेरा योगदान' अभियान में राजरानी सेवा संस्थान का शानदार प्रदर्शन

● दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने कौशल, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में दिखाई प्रतिभा, उत्पादों की प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, रीवा संभाग के कार्यालय द्वारा स्थानीय मानस भवन में किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की संस्थान के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने कौशल विकास, स्वरोजगार एवं रोजगार, खेलकूद, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया विद्यार्थियों द्वारा अपने कौशल से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में तैयार उत्पादों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और विद्यार्थियों के हुनर की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभावान दिव्यांग छात्र-छात्राओं को आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया उन्हें अपने कौशल और हुनर को और निखारने तथा स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया आयोजकों ने कहा कि दिव्यांगजनों को यदि उचित अवसर, मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए तो वे अपनी प्रतिभा एवं कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकते हैं साथ ही समाज की मुख्यधारा में सक्रिय भूमिका निभाते हुए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीता कोल, सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख अनिल दुबे, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपांकर सहित संस्थान की विशेष शिक्षिकाएं, दिव्यांग छात्र-छात्राएं और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

ट्रक से बचने की कोशिश में पेड़ से टकराई कार

छतरपुर में बीमार रिश्तेदार को देखने जा रहे नाना-नाती की मौत, 3 गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर छतरपुर जिले के मातगुवां थाना क्षेत्र में सागर-कानपुर हाईवे पर खेरो के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। ट्रक को बचाने की कोशिश में एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शवों की पहचान प्यार खान (65) और रसीद खान (26) के रूप में हुई, जबकि शरीफ खान (45), शहराज खान (27) और सलमान खान (35) घायल हुए हैं। सभी छतरपुर शहर के नटपुरवा के रहने वाले हैं। बीमार रिश्तेदार को देखने जा रहे थे परिवार के पांचों लोग बकस्वाहा क्षेत्र के पास अपने बीमार रिश्तेदार को देखने शाहगढ़ जा रहे थे। खेरो/अंनगौर के पास सामने से आ रहे ट्रक को बचाने के दौरान कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पेड़ से टकरा गई। मृत प्यार खान और रसीद खान नाना-नाती थे। घायलों को डायल-112 की मदद से जिला अस्पताल छतरपुर पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

नर्मदापुरम में पेट्रोल पंप मालिक के घर चोरी

2 लाख कैश और सोने के जेवर ले गए, दरवाजा गमछे से बांधकर भागे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के ग्राम निटाया में गुरुवार रात चोरों ने पेट्रोल पंप मालिक के घर को निशाना बनाया।

चोर अलमारी में रखे 2 लाख रुपए कैश और पुराने इस्तेमाल किए सोने के जेवर लेकर फरार हो गए। जाते समय चोरों ने मकान के दरवाजे को बाहर से गमछे से बांध दिया।

सुबह दरवाजा नहीं खुला तो बेटे को बुलाया: फरियादी जीलगम रवि प्रसाद के मुताबिक, वे रात में घर में सो रहे थे।

सुबह करीब 4:30 बजे नींद खुली तो उन्होंने बाहर आने के लिए दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा बाहर से बंद था।

उन्होंने पहली मंजिल पर सो रहे बेटे को फोन कर बुलाया। इसके बाद पता चला कि दरवाजे को बाहर से गमछे से बांधा गया है।

दरवाजा खुलने के बाद परिवार ने घर के सभी कमरों की जांच की। एक कमरे में रखी अलमारी से 2 लाख रुपए कैश और सोने के बैंगल, चेन व कान के बाले गायब मिले।

रवि प्रसाद ने बताया कि 2 लाख रुपए पेट्रोल पंप से लाकर घर में रखे थे।घटना की सूचना डायल-112 पर दी गई। एएसआई अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे। इसके बाद फरियादी ने देहात थाने पहुंचकर चोरी की शिकायत दर्ज कराई।

10 दिन पहले मंदिर में चौकीदार को बांधकर चोरी: देहात थाना क्षेत्र में इससे पहले भी चोरी की वारदात सामने आ चुकी है। करीब 10 दिन पहले ग्राम जासलपुर के खेड़ापति मंदिर में चोरों ने चौकीदार को रस्सी से बांध दिया था।

आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और मंदिर में भगवान के नकली जेवर चोरी कर ले गए थे।

इस मामले में भी पुलिस अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। वहीं हरदा बायपास क्षेत्र की कॉलोनियों में भी चोरी की घटनाओं की शिकायतें सामने आती रही हैं।

फोरलेन बना, लेकिन ट्रकों के लिए रास्ता नहीं! रीवा की सबसे व्यस्त सड़क पर सुरक्षा से खिलवाड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की लाइफलाइन मानी जाने वाली रतहरा से चोरहटा तक करीब 19 किलोमीटर लंबी फोरलेन सड़क के निर्माण में ट्रक लेन और ब्रेकडाउन लेन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं केसीसी कंपनी द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण में स्थानीय वाहन चालकों और नागरिकों का आरोप है कि सड़क पर खराब होने वाले भारी वाहनों को मुख्य यातायात से अलग खड़ा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं छोड़ी जा रही है ऐसे में भविष्य में इस अतिव्यस्त मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ हादसों का खतरा बढ़ सकता है रतहरा-चोरहटा मार्ग रीवा जिले के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है। इस सड़क से प्रयागराज, सतना, सीधी और शहडोल सहित आसपास के क्षेत्रों की ओर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री वाहन और भारी मालवाहक वाहन गुजरते हैं। निर्माण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यातायात का दबाव और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में सड़क के डिजाइन और यातायात सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर अभी से सवाल उठाए जा रहे हैं।

ट्रक खराब हुआ तो कहां खड़ा होगा?: स्थानीय ट्रक चालकों का कहना है कि लंबे सफर के दौरान भारी वाहनों में तकनीकी खराबी, टायर पंचर या अन्य समस्या होना सामान्य बात है। ऐसी स्थिति में यदि वाहन को मुख्य सड़क से हटाकर खड़ा करने के लिए पर्याप्त ब्रेकडाउन लेन या लेबाय की व्यवस्था नहीं होगी तो खराब वाहन यातायात के बीच खड़ा रहेगा। चालकों के मुताबिक व्यस्त समय में एक भारी वाहन के सड़क पर रुकने से उसके पीछे वाहनों की लंबी कतार लग सकती है। इससे यातायात की रफ्तार प्रभावित होने के साथ ओवरटेक करने की कोशिश में दुर्घटना की आशंका भी बढ़ सकती है। खासकर रात के समय भारी वाहनों के सड़क पर खड़े रहने से स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय नागरिकों और ट्रक चालकों का कहना है कि फोरलेन सड़क का उद्देश्य यातायात को सुगम और सुरक्षित बनाना है इसलिए निर्माण के दौरान केवल मुख्य सड़क की चौड़ाई और गुणवत्ता पर ही ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए, बल्कि आपात स्थिति में वाहनों को सुरक्षित तरीके से हटाने के लिए आवश्यक स्थान भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए लोगों ने जिला प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी से मांग की है कि सड़क निर्माण पूरा होने से पहले पूरे मार्ग का तकनीकी और सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण कराया जाए। विशेष रूप से यह देखा जाए कि खराब या दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मुख्य यातायात से अलग खड़ा करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है या नहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण के वर्तमान चरण में ही आवश्यक सुधार कर दिए जाते हैं तो भविष्य में सड़क पर जाम और दुर्घटनाओं की संभावित समस्या से बचा जा सकता है।

- 19 किमी फोरलेन में ट्रक लेन गायब, रीवा के सबसे व्यस्त मार्ग पर हादसे का खतरा।
- रीवा में फोरलेन निर्माण पर सवाल, ब्रेकडाउन लेन नहीं होने से सड़क पर खड़े होंगे ट्रक।
- सड़क चौड़ी हो रही, सुरक्षा व्यवस्था सिमट रही! रतहरा-चोरहटा फोरलेन में ट्रक लेन नहीं।

संजू सैमसन विफल होने से असुरक्षित महसूस कर रहे : हनुमा

वैभव के बैंच में बैठे होने से भी उनपर पड़ रहा दबाव

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे टेस्ट बल्लेबाज हनुमा विहारी ने कहा है कि लगातार रन बनाने में विफल रहने से संजू सैमसन पर दबाव आया है। हनुमा के अनुसार सैमसन लगातार असफल हो रहे हैं और जब वह बेंच पर वैभव सूर्यवंशी जैसे उभरते खिलाड़ी को देखते हैं तो उनपर ये दबाव और बढ़ जाता है। गौरतलब है कि पिछले 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से सैमसन ने केवल दो अर्धशतक लगाए हैं, जो उनकी क्षमता से काफी कम है। हनुमा ने कहा, सबसे बड़ा सवाल है कि सैमसन को कितने और अवसर मिल सकते हैं? मैं उसका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं और मैं चाहूंगा कि वह खेले पर मुझे लगता है कि वह अभी असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि सैमसन ने पहले भी कहा है कि जब उनके पीछे प्रतिस्पर्धा का दबाव होता है, तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। विहारी ने ईशान किशन की न्यूजीलैंड सीरीज में वापसी का उदाहरण भी दिया, जब सैमसन रन नहीं नहीं कर पाए थे। अब वैभव सूर्यवंशी के मौजूद होने से वह निश्चित रूप से वह दबाव महसूस कर रहे होंगे। हनुमा ने क्रिकेट में दबाव के महत्व पर जोर देते हुए कहा, दबाव बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। ज़्यादातर लोग इसे नहीं समझते। जो खेले हैं वे जानते हैं, लेकिन जो नहीं खेले हैं वे इसे नहीं समझते। इसीलिए, क्रिकेट में, खासकर भारत के लिए खेलते समय, आपको दबाव का सामना करना आना चाहिए। अब रांची में होने वाले दूसरे मुकाबले में संजू सैमसन पर एक बार फिर से रन बनाने का दबाव होगा।

अब लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर है हॉकी टीम की नजर : कोच फुल्टन

नई दिल्लीएजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अब अपनी निगाहें लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों पर टिका दी हैं। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा है कि इसके लिए लिए अभी से विस्तृत रणनीति बनायी जाएगी। फुल्टन का मानना है कि भले ही आंलंपिक अभी दूर लग रहा हो, लेकिन समय तेजी से बीत जाता है और तैयारियों में कोई ढिलाई नहीं बरती जा सकती, इसलिए अभी से सही शेड्यूल और तैयारी का रोडमैप तैयार करना आवश्यक है।कोच फुल्टन ने कहा कि अभी ओलंपिक में दो साल है पर ये अधिक समय नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में टीम का मुख्य फोकस एक सटीक शेड्यूल और दीर्घकालिक योजना तैयार करने पर है। इसमें आगामी दो साल, एक साल और छह महीने की तैयारी के बड़े चरणों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा, ताकि हर कदम सोच-समझकर आगे बढ़ाया जा सके और ओलंपिक के लिए टीम को सर्वोत्तम स्थिति में लाया जा सके।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण पर जोर

टीम संरचना के संबंध में, फुल्टन ने संकेत दिया कि हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के समापन के बाद टीम में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उनका लक्ष्य अनुभवी खिलाड़ियों के मजबूत समूह के साथ युवा और उभरती प्रतिभाओं को एकीकृत करके एक संतुलित और गतिशील टीम तैयार करना है। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय ए टीम और अंडर-21 टीम में मौजूद अभूतपूर्व प्रतिभा का जिक्र किया, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। फुल्टन का मानना है कि युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का ज्ञान एक मजबूत नींव तैयार करेगा जो टीम को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। फुल्टन ने कहा, हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों का एक अच्छा समूह है और साथ ही कई प्रतिभावान युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने आगे बताया कि हॉकी इंडिया लीग के बाद अगले दो-तीन महीनों में, हम सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर बारीक नज़र रखेंगे, एक नई टीम का चयन करेंगे और पूरी नई ऊर्जा के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। यह प्रक्रिया युवा खिलाड़ियों को उच्च-स्तर के खेल का अनुभव प्रदान करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, ताकि वे बड़े टूर्नामेंटों के दबाव को झेलने में सक्षम हो सकें।कोच ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब केवल एशिया में अपना दबदबा बनाए रखने तक सीमित नहीं रहना चाहता। टीम का लक्ष्य अब विश्व स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ना और लगातार बेहतर प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, हम एशिया में जो प्रदर्शन करते हैं, उसे विश्व स्तर पर भी दोहराना चाहते हैं।

भुवनेश्वर को इन कारणों से शायद ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप में जगह मिले

मुम्बई,एजेंसी। अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार की न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में वापसी होने के बाद से ही अब ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि भुवनेश्वनर को अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी अवसर मिल सकता है। भुवनेश्वर के प्रशंसकों का मानना है कि अगर वह चार साल के बाद वापसी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो उनकी दावेदारी मजबूत हो जाएगी। हालांकि क्या वास्तव में भुवनेश्वर 2027 विश्व कप टीम का हिस्सा बन पाएंगे, इसकी संभावना इन प्रमुख कारणों से बेहद कम है। इससे सबसे बड़ी बाधा ये हैकि भुवनेश्वर कुमार की उम्र 2027 तक 37 वर्ष हो जाएगी, जो उन्हें हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ जैसे युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा में पीछे कर देती है। भले ही जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाजों को तीसरे या चौथे तेज़ गेंदबाज़ी पार्टनर की आवश्यकता हो पर बढ़ती उम्र और युवाओं की ऊर्जा के सामने भुवी के लिए जगह बनाना आसान नहीं होगा। जहां हर्षित राणा चोट से जूझ रहे हैं, प्रसिद्ध कृष्णा की फिटनेस पर सवालिया निशान हैं, और गुरनूर बराड़ के पास अनुभव की कमी है, वहीं भुवी को भी यह मानना होगा कि एकदिवसीय प्रारूप की लंबी अवधि के लिए उनका शरीर और फॉर्म कितना तैयार है।दूसरा महत्वपूर्ण कारण लंबे स्पैल फेंकने की क्षमता है। अनुभव के आधार पर ही किसी खिलाड़ी को विश्व कप टीम में शामिल करना चयनकर्ताओं की रणनीति का हिस्सा नहीं होगा। भुवनेश्वर कुमार लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर हैं और साल में केवल तीन महीने ही सक्रिय रहते हैं, मुख्य रूप से आईपीएल या घरेलू टी20 लीग में चार ओवर के स्पैल फेंकते हैं। ऐसे में, यह एक बड़ी चुनौती होगी कि क्या वह 10 ओवर के वनडे स्पैल को उतनी ही दक्षता और निरंतरता के साथ फेंक पाएंगे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट से उनकी दूरी और लंबे-लंबे स्पैल फेंकने के लिए शरीर की क्षमता पर भी संदेह बना हुआ है। अंत में, उनके एकदिवसीय रिकॉर्ड और विश्व कप के आयोजन स्थल पर विचार करना आवश्यक है। भुवी ने भारत के लिए 121 एकदिवसीय मैचों में 35.11 के औसत और 5.08 की इकॉनमी से 141 विकेट लिए हैं। ये आंकड़े खराब नहीं कहे जा सकते, लेकिन विश्व कप के लिए हालिया प्रदर्शन और विशेष परिस्थितियों में प्रदर्शन अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी एकदिवसीय मैच जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जहां उनका प्रदर्शन 0/64 और 0/67 रहा था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16 एकदिवसीय मैचों में उनका औसत 57.53 रहा है और उन्होंने केवल 15 विकेट ही लिए हैं। 2027 का एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होना है, ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी परिस्थितियों में उनका कमज़ोर रिकॉर्ड उनकी राह में एक बड़ी बाधा बन सकता है।न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला भुवी के लिए खुद को साबित करने का एक महत्वपूर्ण मंच होगी। भारत 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक न्यूजीलैंड में पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा, जिसके बाद वनडे और टेस्ट श्रृंखलाएं भी होंगी। इस स्क्वॉड में श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि, इन मैचों में उनका प्रदर्शन ही यह तय करेगा कि वह 2027 विश्व कप की दौड़ में कितने प्रासंगिक रह पाते हैं और क्या चयनकर्ता उन पर दांव लगाने का जोखिम उठाएंगे।

2027 एकदिवसीय विश्व कप में तीन बार हो सकता है भारत-पाकिस्तान का मुकाबला

दुबई,एजेंसी। अगले साल 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए सभी टीमों ने अपनी तैयारियों शुरु कर दी है। यह महाकुंभ कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। इसका एक कारण ये भी है कि इसमें चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच तीन बार मुकाबला हो सकता है। यह पहला मौका होगा जब पुरुष एकदिवीसय विश्व कप में रिकॉर्ड 14 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 57 मुकाबले खेले जाएंगे। अफ्रीकी महाद्वीप 24 साल बाद एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, इससे पहले 2003 में यहां हुए टूर्नामेंट में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। इस बार के टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण भारत और पाकिस्तान का एक ही ग्रुप-ए में होना है। ग्रुप-ए में इन दोनों दिग्गजों के अलावा गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, मेजबान जिम्बाब्वे और एक क्वालीफायर टीम शामिल है, जबकि ग्रुप-बी में इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और दूसरी क्वालीफायर टीम को जगह मिली है।नए फॉर्मेट के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट के दीवानों को एक नहीं, बल्कि तीन बार रोमांचक भिड़ंत देखने को मिल सकती है। पहला मुकाबला तो ग्रुप स्टेज में 10 अक्टूबर को जोहान्सबर्ग के ऐतिहासिक वांडरर्स स्टेडियम में तय हो चुका है। इस मैच पर दुनिया भर की निगाहें टिकी होंगी, खासकर यह देखते हुए कि एकदिवसीय विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान कभी भी भारत को हरा नहीं पाया है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए आठ विश्व कप मुकाबलों में भारत ने अजेय बढ़त बनाई हुई है। वहीं, अगर सभी बड़े आईसीसी इवेंट्स को मिला लिया जाए, तो 23 मुकाबलों में से 19 बार भारतीय टीम विजयी रही है। ग्रुप स्टेज के बाद दूसरी भिड़ंत सुपर-7 चरण में संभव है। दोनों ग्रुप से शीर्ष टीमें इस दौर में पहुंचेंगी, जहां वे एक-दूसरे का सामना करेंगी। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर इस चरण में अपनी जगह बनाती हैं, तो प्रशंसकों को एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। इसके बाद तीसरी और सबसे रोमांचक भिड़ंत नॉकआउट यानी सेमीफाइनल या फाइनल में संभव है। सुपर-7 चरण के बाद अंक तालिका की शीर्ष-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। अगर दोनों टीमें नॉकआउट मुकाबलों में भी जीत हासिल करती हैं, तो खिताबी जंग या सेमीफाइनल में वे तीसरी बार आमने-सामने आ सकती हैं। भारतीय टीम अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 7 अक्टूबर को केप टाउन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी, जो 2023 वनडे विश्व कप फाइनल की हार का बदला लेने का मौका होगा। इस बार कुल 12 चुनिंदा वेन्यू पर 57 मैच खेले जाएंगे, जिनमें दक्षिण अफ्रीका के 8, जिम्बाब्वे के 3 और नामीबिया का 1 मैदान शामिल है।

यह नामीबिया के लिए पहला मौका होगा जब वह पुरुषों के सीनियर विश्व कप मैचों की मेजबानी करेगा।

वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के दावेदारों में नीरज को नहीं मिली जगह

श्रीलंका के भाला फेंक चैंपियन रुमेश थरंगा सूची में शामिल

मोनाको,एजेंसी। विश्व एथलेटिक्स ने इस साल के प्रतिष्ठित मेन्स वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए जिन 10 शीर्ष दावेदारों के नाम तय किये हैं। उसमें भारत के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा जगह नहीं मिली है। इस सूची में श्रीलंका के भाला फेंक चैंपियन रुमेश थरंगा पथिरागे का नाम भी शामिल है। हाल के दिनों रुमेश ने काफी असफलताएं हासिल की हैं। वहीं नीरज को इस सूची में जगह न मिलना उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका है, खासकर चोटों से जूझने के बाद। यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह 29 नवंबर को मोनाको में होगा। इसमें पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड एथलीट ऑफ़ द ईयर विजेताओं के नामों की घोषणा होगी।

गौरतलह है कि पथिरागे के लिए 2026 का सीज़न असाधारण रहा है, जहां उन्होंने अपने हर इवेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया है। उन्होंने अल्टीमेट चैंपियनशिप, डायमंड लीग, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे कई बड़े आयोजनों में भाला फेंक के खिताब अपने नाम किए। इस श्रीलंकाई एथलीट ने 92.62 मीटर का विश्व-अग्रणी राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी स्थापित किया और सत्र के अपने 14 टूर्नामेंटों में से 13 में जीत हासिल कर अपनी उत्कृष्ट फॉर्म का प्रदर्शन किया। उनका यह लगातार शानदार प्रदर्शन ही उन्हें इस वैश्विक सम्मान के लिए दावेदारों की सूची में शामिल होने का अवसर प्रदान कर रहा है।वहीं दूसरी ओर विश्व चैंपियन रहे नीरज को इस साल खराब फिटनेस के कारण कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। चोटों के चलते नीरज डायमंड लीग के फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाए थे और उन्होंने एशियाई खेलों से भी बाहर रहे। इन प्रमुख आयोजनों में उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर उनकी एथलीट ऑफ द ईयर के दावेदारों की सूची में शामिल होने की संभावनाओं पर पड़ा है।

उनके प्रशंसकों को उम्मीद थी कि नीरज इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए दावेदारी पेश करेंगे,

धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा

कोलंबो । श्रीलंका के कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। धनंजय ने कहा है कि अब युवाओं के कमान संभालने का समया आ गया है। वह पिछले 33 महीने से कप्तान थे। उनके अनुसार अब नेतृत्व की बागडोर अगली पीढ़ी को संभालनी चाहिये। हालांकि, डिसिल्वा ने साफ कहा है कि वह एक खिलाड़ी के रूप में टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। गौरतलब है कि धनंजय डिसिल्वा को दिमुथ करुणारत्ने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। अपने कार्यकाल में, उन्होंने कुल 18 टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में श्रीलंका ने 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की, जो टीम के लिए मिली-जुली सफलता को दिखाता है। यह एक ऐसा दौर था जहाँ टीम ने कुछ यादगार जीत हासिल कीं पर उसमें निरंतरता की कमी भी देखी गई, खासकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्यलूटीसी) के मौजूदा चक्र में। गौरतलब है कि कप्तान के रूप में, धनंजय डिसिल्वा का निजी तौर पर प्रदर्शन भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने अपनी कप्तानी के दौरान 36.45 की औसत से 1130 रन बनाए, जो एक ऑलराउंडर के तौर पर उनकी बल्लेबाजी क्षमता को दिखाता है।

शमी 11 अक्टूबर से रणजी ट्राफी में खेलते दिखेंगे

बंगाल ने टीम में शामिल किया

मुम्बई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए दिखेंगे। शमी को 11 अक्टूबर से शुरू होने वाली रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। यह शमी के लिए भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की दावेदारी पेश करने का एक अच्छ अवसर है। इसमें अपने खेल से वह नई चयन समिति के प्रभावित कर सकते हैं। टीम इंडिया से बाहर रहने के दौरान शमी ने न केवल अपनी फिटनेस पर गहरायी से काम किया है, बल्कि अपनी धारदार और दमदार गेंदबाजी से लगातार खुद को साबित भी किया है। हालांकि, भारतीय टीम के चयनकर्ताओं ने अक्सर उनकी फिटनेस को लेकर चिंताएं व्यक्त की हैं और उन्हें राष्ट्रीय टीम से बाहर रखा। इसके बाद भी शमी ने हाल ही में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने अपनी गति और स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया और कई महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। मौजूदा हालातों को देखते हुए, शमी के लिए यह घरेलू टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। हाल ही में 6 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया गया, जिसमें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद वापसी हुई। भुवनेश्वर ने भी राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में लगातार अपना दम दिखाया था, और उनकी वापसी शमी के लिए एक प्रेरणा और उम्मीद की किरण लेकर आई है। ऐसे में, मोहम्मद शमी के पास भी अब यह बेहतरीन मौका है कि वह नए चयन समिति को अपने प्रदर्शन से प्रभावित करें और एक बार फिर टीम इंडिया में अपनी जगह सुनिश्चित करें। हालांकि, शमी के लिए यह राह बिल्कुल भी आसान नहीं रहने वाली है। टीम इंडिया आगामी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा और ऊर्जावान खिलाड़ियों का एक दल तैयार करने में जुटी है, जहां फिटनेस और निरंतरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में, मोहम्मद शमी को कुछ असाधारण प्रदर्शन करना होगा, कुछ ऐसा जो चयनकर्ताओं को उन्हें चुनने के लिए मजबूर कर दे। सुदीप चटर्जी, अभिषेक पोरेल, शाकिर हबीब गांधी, अंकुर पॉल, सुमंत गुप्ता, अंकित शुक्ला, शुभम चटर्जी, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार, सूरज सिंधु जायसवाल, प्रदीप्त प्रमाणिक, आमिर गनी, मोहम्मद कैफ, सौम्यदीप मंडल, करण लाल, अखिलेश यादव, गीत पुरी, अभिषेक कुमार रमन, शुभम सरकार, सुमित मोहंता और आदित्य पुरोहित।

श्रेयस की अब सूर्यकुमार से हो रही तुलना

लखनऊ,एजेंसी। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 43 गेंदों पर नाबाद 102 रनों की आक्रामक पारी खेलने के साथ ही भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह श्रेयस अय्यर की भारतीय टी20 टीम के कप्तान के रूप में 17वीं पारी थी और इसके बाद से उनकी तुलना पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ होने लगी है। सूर्यकुमार ने अपनी कप्तानी में टी20 विश्वकप भी जीता था लेकिन बाद में खराब फॉर्म के कारण कप्तानी खो दी थी। कप्तान के तौर पर अपनी पहली 17 टी20 इंटरनेशनल पारियों के बाद, श्रेयस अय्यर ने कुल 511 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 39.3 का रहा, जिसमें नाबाद 102 रन का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर और 149.4 का प्रभावशाली स्ट्राइक रेट शामिल है। वहीं अय्यर ने इस अवधि में एक शतक और दो अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली 17 कप्तानी पारियों में अधिक रन बटोरे थे, उन्होंने कुल 530 रन जोड़े थे। उनका औसत 31.1 और स्ट्राइक रेट 165.1 का रहा। सूर्या ने अपनी कप्तानी के शुरुआती 17 मैचों में एक शतक और चार अर्धशतक जमाए थे। इस प्रकार, आंकड़ों पर गौर करें तो सूर्यकुमार यादव रन, स्ट्राइक रेट और अर्धशतकों की संख्या में अय्यर से आगे रहे थे, भले ही अय्यर का बल्लेबाजी औसत बेहतर रहा हो। अय्यर की कप्तानी की शुरुआत हालांकि उतनी चमकदार नहीं रही थी। आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, और उन्होंने अपने शुरुआती सात मैचों में से छह खो दिए थे, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे थे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान में सजी सेवा और संकल्प की रंगोली

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के तहत उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश से बैकुंठपुर के मिनी स्टेडियम में जिला स्तरीय रंगोली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले के 8 उच्च शैक्षणिक संस्थानों से महाविद्यालय स्तर पर चयनित 120 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने रासेयो स्वयंसेवकों और प्रभारियों के मार्गदर्शन में 76म76 वर्गफीट क्षेत्र में प्राकृतिक उत्पादों, अनाज, फल-पत्तियों आदि के माध्यम से आकर्षक रंगोली तैयार की। इसकी थीम 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग-आभार एवं संकल्प' रही। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामित सर्जिकल स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित विशाल रंगोली भी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। रंगोली का अवलोकन मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े सहित जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष मती वंदना राजवाड़े, नगर पंचायत पटना के अध्यक्ष मती गायत्री सिंह, जिला पंचायत सदस्य मती गीता राजवाड़े सहित गणमान्यजन देवेंद्र तिवारी, अम्बिकेश केसरी, कृष्ण बिहारी जायसवाल, शैलेश शिवहरे, पंकज गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार विशाल रंगोली की सराहना की। आयोजन में लगभग 1200 लोगों ने रंगोली का अवलोकन किया।

नोनी सशक्तिकरण योजना ने अंकिता के सपनों को दिए पंख, शिक्षा के लिए मिली 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आर्थिक परिस्थितियां कमजोर हों, लेकिन आगे बढ़ने का हौसला और शासन की योजनाओं का सहारा मिले तो शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिल सकती है। जीपीएम जिले के नगर पालिका परिषद गौरेला के वार्ड क्रमांक 15 की निवासी कुमारी अंकिता रोहणी की कहानी भी इसी संकल्प और उम्मीद को बयां करती है। निर्माण श्रमिक परिवार की बेटी अंकिता अपनी पढ़ाई पूरी कर आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं। उनके इस सपने को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना से मिली 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता ने मजबूती दी है।अंकिता के पिता रवि रोहणी निर्माण श्रमिक हैं और श्रम विभाग में पंजीकृत हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच परिवार के लिए घर की जरूरतों के साथ बेटी की शिक्षा का खर्च उठाना आसान नहीं था। इसके बावजूद परिवार ने अंकिता की पढ़ाई में आर्थिक परिस्थितियों को बाधा नहीं बनने दिया और अपनी क्षमता के अनुसार उनकी शिक्षा जारी रखा। इसी बीच श्रमिक परिवारों की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए संचालित नोनी सशक्तिकरण योजना की जानकारी मिलने पर अंकिता को योजना से जोड़ा गया। पात्रता और आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई। यह राशि अंकिता और उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आई। शिक्षा की जरूरतों पर खर्च कर रही हैं सहायता राशि अंकिता इस सहायता राशि का उपयोग अपनी शिक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में कर रही हैं। पढ़ाई से संबंधित खर्चों के लिए आर्थिक सहयोग मिलने से परिवार पर पड़ने वाला वित्तीय बोझ कम हुआ है। वहीं अंकिता भी अब अधिक आत्मविश्वास और एकाग्रता के साथ अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा रही हैं।

बस्तर बाढ़ आपदा में पीड़ितों को 9.39 करोड़ रुपए से अधिक की राहत राशि का त्वरित भुगतान, पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर अंचल में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से हुई मूसलाधार बारिश और ओडिशा के खातीगुड़ा व मुरान बांधों से छोड़े गए पानी के चलते उत्पन्न भीषण बाढ़ की स्थिति के बीच जिला प्रशासन ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा है। आपदा से प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से अब तक कुल 9 करोड़ 39 लाख 29 हजार 898 रुपए की राहत राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार इस वित्तीय सहायता में सबसे बड़ा हिस्सा मकानों की क्षतिपूर्ति के रूप में दिया गया है।

रविवार, 11 अटूबर को दोपहर 12 बजे मुयमंत्री निवास कार्यालय, सिविल लाईन, रायपुर में होगी

कैबिनेट बैठक 11 अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद् (कैबिनेट) की बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवभारत फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन में शामिल हुए राज्यपाल, विजेता और उपविजेता टीमों को किया सम्मानितनवभारत फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन में शामिल हुए राज्यपाल, विजेता और उपविजेता टीमों को किया सम्मानित नवभारत फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन में शामिल हुए राज्यपाल, विजेता और उपविजेता टीमों को किया सम्मानित राज्यपाल रमेन डेका नवभारत परिवार द्वारा आयोजित 17वीं अखिल भारतीय फुटबॉल एवं जिला स्तरीय विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने फाइनल मुकाबला देखा और विजेता तथा उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अखिल भारतीय प्रतियोगिता के फाइनल में तमिलनाडु पुलिस ने दल्लीराजहरा माइंस को 1-0 से हराकर खिताब जीता। विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में सेंट जेवियर्स स्कूल भरनी ने नवीन पिछड़ा वर्ग क्रीड़ा परिसर को पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। राज्यपाल डेका ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल

शारीरिक मजबूती के साथ अनुशासन, टीमवर्क और खेल भावना विकसित करते हैं। नियमित रूप से मैदान में खेलने से शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है। उन्होंने कहा कि खेल अब करियर का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़ने के अवसर बढ़े हैं। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ के खेलों के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। डेका ने कहा कि फुटबॉल हमें सिखाता है कि लक्ष्य पाने के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका निभानी होती है। एक-दूसरे का साथ देना, नियमों का सम्मान करना और अंतिम मिनट तक प्रयास करते रहना ऐसे गुण हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी होते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल का आनंद लें, मेहनत करते रहें और हार

से सीखकर फिर मैदान में उतरें। आपकी लगन ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन्हीं बच्चों में से खिलाड़ी आगे चलकर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। जिला और राज्य स्तर के मुकाबलों से अनुभव मिलता है, जबकि अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में विभिन्न राज्यों की टीमों के साथ खेलने से खेल का स्तर बेहतर होता है और आगे की तैयारी की दिशा मिलती है। ऐसे आयोजनों का सिलसिला जारी रहना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिले। समापन समारोह में विभिन्न विभाग के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी दर्शक उपस्थित थे।

'महतारी वंदन योजना' ने बदला बेनूर की रामदई कुलदीप का जीवन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने और उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की श्महतारी वंदन योजनाश् ग्रामीण अंचलों में आशा की एक नई किरण बनकर उभर रही है। यह योजना न केवल महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में उनके स्वास्थ्य और स्वाभिमान का संबल भी बन रही है। नारायणपुर जिले के सुदूर ग्राम बेनूर की रहने वाली मती रामदई कुलदीप की कहानी इस बदलाव की एक जीवंत मिसाल है। इलाज और दवाइयों की चिंता से मिली मुक्ति एक समय था जब रामदई कुलदीप को अपनी छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं, दवाइयों और दैनिक जरूरतों के लिए आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था। वित्तीय निर्भरता के कारण उन्हें अक्सर अपनी आवश्यकताओं से समझौता करना पड़ता था। लेकिन श्महतारी वंदन योजनाश् की शुरुआत के बाद उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। योजना के तहत हर महीने मिलने वाली नियमित राशि ने उन्हें सीधा आर्थिक सहारा दिया है, जिसका उपयोग वे अब अपने इलाज और नियमित दवाइयों के खर्चों को पूरा करने में कर रही हैं। घर की जिम्मेदारियों में बना अतिरिक्त सहारा रामदई बताती हैं कि इस योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता केवल स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है।

छत्तीसगढ़ में ऑयल पाम की खेती का कमिश्नर कृष्ण कांत दुबे ने किया अवलोकन

कृषकों को वैज्ञानिक प्रबंधन, मृदा परीक्षण, सीड नर्सरी, अक्षय केंद्र, सीएचसी एवं सीड गार्डन के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (नई दिल्ली) के असिस्टेंट कमिश्नर (ऑयल पाम) कृष्ण कांत दुबे ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान विभिन्न जिलों में ऑयल पाम की खेती, सीड नर्सरी और उससे जुड़ी गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कृषकों और संबंधित संस्थाओं को वैज्ञानिक प्रबंधन, मृदा परीक्षण, नर्सरी प्रबंधन तथा किसानों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। दुर्ग जिले में प्रक्षेत्र भ्रमण दौरे के प्रथम दिन 06 अक्टूबर 2026 को कमिश्नर दुबे ने ग्राम कंदई (विकासखंड धमधा, जिला दुर्ग) के कृषक पवन साहू के ऑयल पाम प्रक्षेत्र का जायजा लिया। कृषक द्वारा 7.45 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम का रोपण किया गया है, जिसमें इंटरक्रॉप के रूप में टमाटर, केला और फूलगोभी की फसलें ली जा रही हैं। एक वर्ष पुराने पौधों के बेहतर विकास को देखकर उन्होंने प्रसन्नता जताई और

नियमित मृदा परीक्षण की सलाह दी। 3 एफ ऑयल पाम सीड नर्सरी का निरीक्षण दुबे ने संस्था द्वारा स्थापित सीड नर्सरी का अवलोकन कर पौधों की संख्या, किस्मों और आयातित स्प्राउट्स की जानकारी ली। उन्होंने राज्य में अक्षय केंद्र खोलने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित दरों पर सभी प्रकार के उर्वरक आसानी से मिल सकें। साजा (बेमेतरा) महाविद्यालय प्रक्षेत्र का निरीक्षण कुमारी देवी चौबे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा के प्रक्षेत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने 2.0 हेक्टेयर में रोपे गए ऑयल पाम और गत वर्ष ली गई सरसों की फसल (10 क्विंटल उत्पादन) के प्रबंधन की सराहना की।

भविष्य की योजनाएं : कमिश्नर कृष्ण कांत दुबे ने ऑयल पाम की खेती को और अधिक बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित प्रस्ताव भारत सरकार को भेजने के निर्देश दिए। किसानों को आवश्यक कृषि यंत्र और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने हेतु कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना, राज्य में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सीड गार्डन का निर्माण किया जाए। कमिश्नर के इस दौरे से छत्तीसगढ़ में ऑयल पाम की खेती के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्धता और किसानों को बेहतर तकनीकी व संस्थागत सहयोग मिलने की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं।

कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर पशुओं को देख उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को लगाई फटकार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कवर्धा-बेमेतरा मार्ग पर सड़क के बीच पशुओं को बैठे देखकर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने गंभीर नाराजगी जताई। कवर्धा जाते समय सड़क पर पशुओं को देखकर उन्होंने बेमेतरा टोल प्लाजा के पास मंगलवार को देर रात अपना वाहन रुकवाया और तत्काल विभागीय अधिकारियों से मोबाइल पर बात कर हाइवे पेट्रोलिंग व्यवस्था की जानकारी ली।उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुरूप पेट्रोलिंग वाहन द्वारा किए जा रहे नियमित निरीक्षण के संबंध में पूछा। अधिकारियों ने बताया कि हाइवे पेट्रोलिंग वाहन द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इस पर शर्मा ने पेट्रोलिंग वाहन को मौके पर बुलवाया और अब तक किए गए पशु रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही प्रतिदिन किए जा रहे निरीक्षण एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देश दिए कि कवर्धा से बेमेतरा तक पड़ने वाले ग्रामों के स्थानीय लोगों के माध्यम से पेट्रोलिंग वाहन की गतिविधियों की नियमित जानकारी ली जाए। सड़क पर पशुओं की मौजूदगी को लेकर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हाइवे पर नियमित पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए और सड़क पर बैठे अथवा विचरण कर रहे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कार्रवाई तत्परता से की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सड़क पर पशुओं के रहने से न केवल गौवंश की जान को खतरा रहता है, बल्कि वाहन चालकों और यात्रियों के लिए भी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा और गौवंश की रक्षा के कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पेट्रोलिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने और इसकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

नवा रायपुर में भारत-ज़िम्बाब्वे महिला टी-20 सीरीज़ की तैयारियां पूरी

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (परसदा) में आयोजित होने वाली भारत महिला बनाम ज़िम्बाब्वे महिला टी-20 क्रिकेट सीरीज की प्रशासनिक स्तर पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। तीन अंतर्राष्ट्रीय महिला टी-20 मुकाबले 16, 18 और 20 अक्टूबर 2026 को खेले जाएंगे। मुख्य सचिव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में अन्य विभागों से आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैच के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कार्यों के लिए पुलिस विभाग एवं आयोजक संस्थाओं को समय पर जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा है। मैच के सफल संचालन और अंतर-विभागीय समन्वय के लिए रायपुर कलेक्टर की अध्यक्षता में एक लोकल सपोर्ट कमेटी गठित की गई है। इस समिति में रायपुर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, खेल एवं युवा कल्याण संचालक, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता, एनआरडीए के प्रतिनिधि और छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि शामिल हैं। ई-टिकट को आसानी से स्कैन कर स्टेडियम में प्रवेश

दिलाने के लिए दर्शकों हेतु परिसर में ओपन वाई-फाई की व्यवस्था की जाएगी। स्टेडियम के भीतर खाद्य सामग्री, पेयजल आपूर्ति इत्यादि व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। टिकटों पर स्टेडियम का नाम शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर अटल नगर स्पष्ट रूप से दर्ज रहेगा। टिकटों का वितरण ऑनलाइन किया जाएगा। स्टेडियम परिसर और सभी पार्किंग क्षेत्रों में सीसीटीव्ही कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे। टिकट धारकों को निश्चित अनुपात में पार्किंग पास उपलब्ध कराए जाएंगे। सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था सीसीटीव्ही कैमरे एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था पुलिस, एनआरडीए, सीएससीएस और बीसीसीआई द्वारा की जाएगी। आवश्यक विद्युत व्यवस्था, सीएसपीडीसीएल और ऊर्जा विभाग द्वारा की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग नजदीकी अस्पतालों की मैपिंग करेगा और स्थल पर एम्बुलेंस तैनात रहेगी। आपातकालीन इलाज एवं वीवीआईपी आवागमन हेतु ग्रीन कॉरिडोर का मार्ग निर्धारित किया गया है। स्टेडियम परिसर एवं निगम के निकटतम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध रहे इसकी सुनिश्चितता बीएसएनएल द्वारा की जाएगी। फायर ब्रिगेड और पर्याप्त जल की उपलब्धता और आपातकालीन स्थिति के लिए रूट का चिन्हांकन गृह एवं अग्निशमन विभाग द्वारा किया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इस बैठक में परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के यशवंत कुमार, पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला, संचालक जनसम्पर्क आशीष टिकरिया, एमडी टूरिज्म सौमिल रंजन चौबे सहित कलेक्टर रायपुर, पुलिस अधीक्षक रायपुर, एनआरडीए, खेल एवं युवा कल्याण, फायर एवं सेफटी, एयरपोर्ट आथरटी, सीएसपीडीसीएल, पीडब्लूडी, छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के अधिकारियों ने भाग लिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम में निकली भव्य सेवा ज्योति यात्रा, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज कबीरधाम जिले में भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा, पंडरिया विधायक मती भावना बोहरा, फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मती मोना सेन सहित जनप्रतिनिधियों और हजारों नागरिकों ने यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सेवा ज्योति यात्रा से पूर्व शासकीय पीजी कॉलेज के डोम में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के संबोधन को उपस्थित नागरिकों ने सुना। इसके बाद सेवा ज्योति यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए सेवा ज्योति चौक पहुंची। यात्रा में सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या में जिलेवासियों ने भाग लेकर सेवा, जनभागीदारी और विकसित भारत-2047 के संकल्प का

संदेश दिया। संकल्प मजबूत हो तो लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, मंजिल हासिल की जा सकती है – उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी और आज 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के मुखिया के रूप में उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा सेवा, सुशासन, संकल्प और देश को आगे ले जाने की यात्रा रही है। शर्मा ने कहा कि संकल्प लेना बड़ी बात है, लेकिन उसे धरातल पर उतारना उससे भी बड़ी बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत-2047 का संकल्प देश के सामने रखा है। वर्ष 2047 में जब भारत विकसित राष्ट्र बने, तब हमारा छत्तीसगढ़ विकसित छत्तीसगढ़, कबीरधाम विकसित कबीरधाम और कवर्धा विकसित कवर्धा बने, यह हम सभी का संकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बड़ा हो सकता है और रास्ता कठिन हो सकता है, लेकिन संकल्प मजबूत हो तो मंजिल हासिल की जा सकती है। सेवा ज्योति यात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जिले के विकास, सेवा और जनभागीदारी का संकल्प है। जब संकल्प बड़ा हो, नीयत स्पष्ट हो और 140 करोड़ देशवासियों की शक्ति साथ हो तो लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, 'हम जरूर करबो।' हिंसा की जगह विकास, भय की जगह विश्वास और बंदूक की जगह शिक्षा व रोजगार पहुंचे – शर्मा उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पिछले वर्षों में देश ने राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने भारत के सामर्थ्य का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करने तथा अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा जैसी घटनाएं देश के सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के संदर्भ में कहा कि हमारा संकल्प स्पष्ट है कि हिंसा की जगह विकास पहुंचे, भय की जगह विश्वास पहुंचे और बंदूक की जगह शिक्षा, रोजगार और अवसर पहुंचे। यही विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा है। विकसित भारत-2047 केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। कवर्धा, कबीरधाम और छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। सेवा को उत्सव और उत्सव को सेवा का माध्यम बनाएं – विधायक मती भावना बोहरा पंडरिया विधायक मती भावना बोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा के प्रतीक हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सेवा और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'सेवा को उत्सव बनाइए और उत्सव को सेवा का माध्यम बनाइए', यही इस अभियान की मूल भावना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा